संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 310 रविवार 14 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी ने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ की विकास परियोजनाओं की शिलान्यास और उद्घाटन किया

मणिपुर हिंसा हमारे पूर्वजों और भावी पीढ़ी के साथ अन्याय:पीएम मोदी

इंफाल/चुराचांदपुर,13 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर के चुराचांदपुर और इंफाल पहुंचे। उन्होंने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ औ इंफाल में 1,200 करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं की शिलान्यास और उद्घाटन किया। मणिपुर में मई, 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी का यह पहला दौरा है। प्रधानमंत्री ने इंफाल में कहा...मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें राज्य को शांति और विकास के रास्ते पर लेकर जाना है। नचुराचांदपुर में पीएम ने कहा...मैं सभी संगठनों से शांति के रास्ते पर आगे बढ़ने की अपील करता हूं। मैं वादा करता हूं,मैं आपके साथ हूं। पीएम चुराचांदपुर में हिंसा पीड़ितों से मिलने रिलीफ कैंप गए। इंफाल में कार्यक्रम स्थल पर हिंसा पीड़ितों से बात की। चुराचांदपुर कुकी बहुल पहाड़ी इलाका है। इंफाल घाटी इलाका है और मैतेई समुदाय का गढ़ है। पिछले दो साल से, दोनों समुदायों की एक-दूसरे के इलाकों में आवाजाही बंद है।

इंफाल को विकसित भारत के शहरों में देखता हूं : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा...21वीं सदी का यह समय नॉर्थ ईस्ट का है। इसलिए,भारत सरकार ने मणिपुर के विकास को निरंतर प्राथमिकता दी है। इसी का परिणाम है कि मणिपुर की विकास दर लगातार बढ़ रही है। 2014 से पहले,मणिपुर की विकास दर एक प्रतिशत से भी कम थी। अब,मणिपुर पहले से कई गुना तेजी से प्रगति कर रहा है। पीएम ने कहा...मणिपुर में बुनियादी ढांचे के निर्माण का एक नया दौर शुरू हो गया है। मुझे खुशी है कि मणिपुर में सड़कों और नेशनल हाईवे बनाने की रफ्तार कई गुना बढ़ी है। यहां गांव-गांव तक सड़कें पहुंचाने के लिए तेजी से काम हो रहा है। इंफाल संभावनाओं का शहर है। मैं इस शहर को विकसित भारत के उन शहरों के रूप में देखता हूं,जो हमारे युवाओं के सपनों को पूरा करेगा। देश के विकास को गति देगा।

मोदी ने कहा...मणिपुर के खिलाड़ियों के बिना भारत के खेल अधूरे

प्रधानमंत्री ने कहा...मणिपुर के अनेक संतानें देश के अलग-अलग हिस्सों में मां भारती की रक्षा में जुटे हुए हैं। हाल ही में, ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत की सेना लोहा माना। हमारी सेना ने ऐसा कहर बरपाया कि पाकिस्तान त्राहि-त्राहि करने लगा। इसमें मणिपुर का भी बड़ा योगदान है। पीएम मोदी ने कहा...मैंने साल 2014 में कहा था कि मणिपुर की संस्कृति के बिना भारत की संस्कृति और यहां के खिलाड़ियों के बिना भारत के खेल अधूरे हैं। मणिपुर का युवा, तिरंगे की शान के लिए तन-मन-धन से समर्पित युवा है।

पीएम ने इंफाल में हिंसा प्रभावित लोगों से बातचीत की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंफाल में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने इंफाल के ऐतिहासिक कांगला किला परिसर में विस्थापित लोगों के परिवारों की चिंताओं को सुना और उन्हें राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री ने चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की।

पीएम बोले...मणिपुर हिंसा हमारे पूर्वजों और भावी पीढ़ी के साथ अन्याय

पीएम ने इंफाल में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- मणिपुर की हजारों वर्ष पुरानी समृद्ध विरासत है। यहां संस्कृति की मजबूत जड़े हैं। मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। ये हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी भावी पीढ़ी के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। हमें मणिपुर को लगातार शांति और विकास के रास्त पर लेकर जाना है।

खड़गे बोले...मणिपुर में पीएम का 3 घंटे रुकना करुणा नहीं,पीड़ितों का अपमान

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मणिपुर दौरे को लेकर पीएम मोदी की आलोचना की। खड़गे ने एक्स पर लिखा- मणिपुर में आपका तीन घंटे का पड़ाव करुणा नहीं है। यह एक दिखावा और घायल लोगों का घोर अपमान है। आज इंफाल और चुराचांदपुर में आपका तथाकथित रोड शो, राहत शिविरों में लोगों की चीखें सुनने से बचने का एक कायराना प्रयास है। खड़गे ने कहा- मणिपुर में चुपचाप जाना कोई पश्चाताप नहीं है। यह अपराधबोध भी नहीं है। आप अपने लिए एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित कर रहे हैं। यह उन लोगों के जख्मों पर एक हमला है जो अभी भी आपकी बुनियादी संवैधानिक जिम्मेदारियों से भागने के कारण पीड़ित हैं! आपसे आपके ही शब्दों में पूछता हूं...आपका राजधर्म कहां है?

मणिपुर में प्रधानमंत्री मोदी का दौरा महज दिखावा : खरगे

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम और अन्य राज्यों के दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मणिपुर में उनका तीन घंटे का ठहराव चिंता का प्रतीक नहीं,बल्कि एक दिखावा मात्र है। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज इम्फाल और चुराचांदपुर में प्रधानमंत्री का रोड शो राहत शिविरों में पीड़ितों से मिलने से बचने का प्रयास है। उन्होंने मणिपुर हिंसा पर कहा कि 864 दिनों से चली आ रही इस हिंसा में लगभग 300 लोगों की जानें गई हैं, 67 हजार लोग विस्थापित हुए हैं और 1,500 से अधिक घायल हुए हैं। हिंसा के बाद से प्रधानमंत्री ने 46 विदेश यात्राएं की हैं, लेकिन अपने ही नागरिकों से सहानुभूति जताने के लिए मणिपुर की एक भी यात्रा नहीं की। उन्होंने कहा कि मणिपुर की प्रधानमंत्री की आखिरी यात्रा जनवरी 2022 में हुई थी, जो चुनावी रैलियों के लिए थी। खरगे ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकार की थी और अब केंद्र सरकार फिर से टालमटोल कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह चुपचाप किया गया पश्चाताप नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री स्वयं के लिए भव्य स्वागत समारोह आयोजित कर रहे हैं,जो उन लोगों के घावों पर छींटा है जो अभी भी बुनियादी संवैधानिक जिम्मेदारियों से वंचित हैं।

भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एफटीए पर काम करने के लिए प्रतिबद्धःगोयल

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए काम करने को प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने एक्स पोस्ट में कहा कि यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक और यूरोपीय कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हैनसेन व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत को गति देने के लिए यहां आए थे। दोनों पक्षों की आधिकारिक टीमों ने 13वें दौर की वार्ता की। गोयल ने लिखा, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता के 13वें दौर में आपकी मेजबानी करना हमारे लिए खुशी की बात थी। हम दोनों पक्षों के लिए व्यापक अवसरों को खोलने के लिए जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि दोनों पक्षों के लिए बड़े पैमाने पर अवसरों का लाभ उठाया जा सके। आपकी यात्रा के लिए धन्यवाद। हमारी निरंतर बातचीत की प्रतीक्षा है।

डॉ.भीमराव अम्बेडकर के बारे में साधु संत चुप रहें तो यह उचित होगाःमायावती

लखनऊ,13 सितम्बर 2025 (ए)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने साधु संतों की ओर से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को लेकर दिए जा रहे बयानबाजी पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नही होने के कारण उनको इस बारे में कोई भी गलत बयानबाजी आदि करने की बजाए यदि वे चुप रहें तो यह उचित होगा। बसपा प्रमुख मायावती ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट लिखा हैं। उन्होंने लिखा कि जैसाकि विदित है कि आएदिन सुर्खियों में बने रहने के लिए कुछ साधु संत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के बारे में गलत बयानबाजी कर रहे हैं। विवादित बयानबाजी करने वाले कुछ साधु-सन्तों को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के भारतीय संविधान के निर्माण में रहे उनके अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नहीं होने के कारण इनको इस बारे में कोई भी गलत बयानबाजी आदि करने की बजाए यदि वे चुप रहें तो यह उचित होगा।

वोटर लिस्ट बनाना,बदलना सिर्फ हमारा काम एसआईआर कराना विशेष अधिकार : चुनाव आयोग

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2025 (ए)। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा- पूरे देश में समय-समय पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कराना उसका विशेषाधिकार है। कोर्ट इसका निर्देश देगी तो ये अधिकार में दखल होगा। आयोग ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार वोटर लिस्ट बनाना और उसमें समय-समय पर बदलाव करना सिर्फ चुनाव आयोग का अधिकार है। यह काम न किसी और संस्था और न ही अदालत को दिया जा सकता। चुनाव आयोग ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और वोटर लिस्ट को पारदर्शी रखने के लिए लगातार काम करते हैं। यह हलफनामा एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था। याचिका में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को भारत में विशेष रूप से चुनावों से पहले एसआईआर कराने का निर्देश दिया जाए, ताकि देश की राजनीति और नीति केवल भारतीय नागरिक ही तय करें। चुनाव आयोग ने 5 जुलाई 2025 को बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर 1 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि के आधार पर एसआईआर की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया था।

चुनाव आयोग ने कहा...वोटर लिस्ट में बदलाव हमारा अधिकार : धारा 21 के मुताबिक, वोटर लिस्ट में बदलाव करने की कोई तय समय सीमा नहीं है। बल्कि ये सामान्य जिम्मेदारी है, जिसे हर आम चुनाव, विधानसभा चुनाव या किसी सीट के खाली होने पर होने वाले उपचुनाव से पहले पूरा करना जरूरी है। नियम 25 से साफ है कि मतदाता सूची में थोड़ा-बहुत या बड़े स्तर पर बदलाव करना है या नहीं, यह पूरी तरह चुनाव आयोग के फैसले पर निर्भर करता है। मतदाता सूची को सही और भरोसेमंद रखना चुनाव आयोग की कानूनी जिम्मेदारी है। इसलिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत 24 जून 2025 के एसआईआर आदेश के मुताबिक अलग-अलग राज्यों में एसआईआर कराने का फैसला किया है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम,1950 और मतदाता पंजीकरण नियम,1960 के अनुसार आयोग को छूट है कि वह तय करे कि कब समरी रिवीजन किया जाए और कब इंटेंसिव रिवीजन।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था...आधार को पहचान का प्रमाण मानें

8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिहार में जारी एसआईआर प्रक्रिया में आधार कार्ड को पहचान प्रमाण के तौर पर अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। चुनाव आयोग को 9 सितंबर तक इस निर्देश को लागू करने का निर्देश दिया था। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह वोटर सूची में नाम जुड़वाते समय दिए गए आधार नंबर की प्रामाणिकता की जांच कर सकता है।

दिल्ली के ताज पैलेस होटल को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2025 (ए)। दिल्ली के ताज पैलेस होटल को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ई-मेल मिला है। इसके बाद से ही पुलिस ने होटल परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। हालांकि सघन तलाशी अभियान के बाद यह खबर झूठी निकली। अभियान के दौरान होटल में रूके मेहमानों और स्टाफ को कुछ घंटों के लिए परेशानी हुई लेकिन बाद में किसी भी तरह के खतरा नहीं होने की बात साफ होने से पुलिस ने राहत की सांस ली। दिल्ली पुलिस के मुताबिक होटल प्रबंधन को शुक्रवार देर रात करीब 02 बजे प्राप्त ई-मेल में बम विस्फोट की धमकी दी गई । इसके तुरंत बाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और होटल के सभी हिस्सों की बारीकी से छानबीन की लेकिन इस दौरान उन्हें कोई संदिग्ध वस्तु या सामान नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को ही दिल्ली उच्च न्यायालय को मिले एक ई-मेल में न्यायाधीशों के कक्षों और न्यायालय परिसर में दोपहर के समय बम विस्फोट की धमकी दी गई थी।

प्रेम प्रसंग के बाद शारीरिक रिश्तों पर हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी सामने आई

नई दिल्ली, 13 सितम्बर 2025 (ए)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रेम संबंधों और शारीरिक संबंधों से जुड़े एक अहम मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि महिला शुरू से यह जानती है कि सामाजिक कारणों के चलते शादी संभव नहीं है, फिर भी वह वर्षों तक सहमति से शारीरिक संबंध बनाए रखती है, तो इसे दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। यह मामला दो लेखपालों से जुड़ा है।

महिला लेखपाल ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2019 में उसके सहकर्मी ने जन्मदिन की पार्टी के बहाने उसे घर बुलाया, जहां उसे नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना था कि आरोपी ने वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और बाद में शादी का वादा किया, लेकिन चार साल बाद उसने जातिगत ताना मारते हुए शादी से इंकार कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने पुलिस से शिकायत की,तो उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने एससी-एसटी की विशेष अदालत में परिवाद दाखिल किया। हालांकि, विशेष अदालत ने यह कहते हुए परिवाद खारिज कर दिया कि इसमें दुष्कर्म का मामला नहीं बनता। इसके खिलाफ महिला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की और न्याय की गुहार लगाई।

कानून के सामने सब बराबर,नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : मोहन यादव

इंदौर,13 सितम्बर 2025 (ए)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत का बदलता दौर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर निर्माण,अनुच्छेद 370 और तीन तलाक पर प्रतिबंध जैसे कई ऐतिहासिक निर्णयों का साक्षी बना है। हमने भी राज्य में लव जिहाद, खुले में मांस के विक्रय और लाउडस्पीकर पर कड़ी कार्रवाई की है। हमारे लिए मानव कल्याण और प्रदेश का विकास सर्वोपरि है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को इंदौर में विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय लीगल सेल के दो दिवसीय अधिवेशन के अवसर पर कहीं। इस आयोजन के शुभारंभ पर उनके साथ स्वामी जितेंद्रानंद महाराज, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल और पूर्व जस्टिस वीएस कोकजे, आलोक कुमार व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां से स्पष्ट संदेश दिया कि मध्यप्रदेश में कानून सबके लिए समान है और नियमों को तोड़ने वालों पर सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने राज्य में मछली हो या मगर,सबको ठिकाने लगाया है।

शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमों का पालन करना जरूरी : यादव

सरकार बनने के साथ ही लाउडस्पीकर की ऊंची आवाज पर नियंत्रण की कार्रवाई शुरू की गई। अब तक 60 हजार से ज्यादा माइक हटवाए गए हैं। कोई भी अपने धर्म की इबादत करने से वंचित नहीं है, लेकिन शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमों का पालन करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कानून में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि कानून की आंखों से पट्टी हटा दी गई है, इससे बड़ा सुधार और क्या हो सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार का पहला बड़ा कदम लाउडस्पीकर नियंत्रण का था, जिसके तहत 60 हजार लाउडस्पीकर हटाए गए। साथ ही मांस-मटन विक्रय पर फूड सेफ्टी नियम लागू किए गए। उन्होंने कहा कि बड़े से बड़े रसूखदारों को भी कानून का पालन करना पड़ा और सरकार ने किसी से समझौता नहीं किया।

कांग्रेस शासन के लंबे दौर में असम हाशिए पर धकेल दिया गया : सोनोवाल

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय बंदरगाह,पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के लंबे दौर में समृद्धि में राष्ट्रीय औसत में आगे रहने वाले असम को हाशिए पर धकेल दिया गया जबकि मोदी सरकार में पूर्वोत्तर भारत ने सात दशकों के उपेक्षाकाल से निकलकर विकास, गरिमा और अवसरों का नया इंजन बनने की असाधारण यात्रा तय की है। सोनोवाल ने शनिवार को एक्स पर एक प्रमुख अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित अपने लेख को साझा करते हुए कहा कि सूर्योदय का पहला दृश्य देखने वाले पूर्वोत्तर के राज्य स्वतंत्रता के बाद के सात दशकों तक राष्ट्रीय प्राथमिकता में नहीं रहे।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के लंबे दौर में कभी समृद्धि में राष्ट्रीय औसत से आगे रहा असम हाशिए पर धकेल दिया गया। लेख में उन्होंने

प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में क्षेत्र को उपेक्षा के दौर से देश की विकास यात्रा का नया इंजन बनाने की सराहना की और इसे असाधारण परिवर्तन का दशक करार दिया। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोहों के दौरान असम आगमन एक घटना ना होकर पूर्वोत्तर के लोगों से उनके गहरे सम्बंधों का परिचायक है।

उन्होंने कहा,विभाजन के दौरान असम की पहचान संकट में पड़ी और 1962 के युद्ध में उसे केवल ऊपरी सहानुभूति मिली। साथ ही लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई और डॉ. भूपेन हजारिका जैसे नायकों को मान्यता में देरी हुई। यहां तक कि असमिया भाषा को शास्त्रीय दर्जा में भी देरी हुई जो राज्य के प्रति गहरी उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह अंधेरा समाप्त हो चुका है और पूर्वोत्तर विकास,गरिमा और अवसरों की धूप में नहा रहा है।

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप आखिर पलटी मारी...

जैसी कि उम्मीद थी ठीक वैसा ही हुआ। अभी तक भारत से खुंदक निकाल रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आखिर, पलटी मार गए। भारत को धो-धो कर कोस रहे ट्रंप समझ चुके हैं कि उनकी तिरछी चाल से भारत का तो जो होगा सो होगा बेइज्जती तो अमेरिका और उनकी खुद की होने वाली है। शुल्क और रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका और भारत के मध्य भारी तनाव पैदा करने के बाद ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं। इस पलटी को खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे के सिवा और क्या कहा जा सकता है। दोनों देशों के बीच संबंध पिछले दो दशकों में सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। अपने मित्र मोदी से मित्रता को याद करते हुए ट्रंप कहे बिना नहीं रह सके कि मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा...वह शानदार प्रधानमंत्री हैं। ट्रंप की इस चालबाजी को भांपते हुए भारत को गदगद होने की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने पिछले कुछ समय में भारत के साथ जो अपमानकारी हरकतें की हैं,उन्हें भारत को नहीं भूलना चाहिए। अपनी आदत से बाज न आते हुए अब भी उन्होंने यह तो कह ही दिया कि उन्हें इस समय मोदी द्वारा किए जा रहे काम पसंद नहीं आ रहे। वह इस बात से निराश हैं कि भारत रूस से बहुत ज्यादा तेल खरीद रहा है। इससे पहले ट्रंप ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा था,लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। ट्रंप चीन से भारत के सुधरते रिश्तों में खटास लाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ठहाके लगाते चित्रों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। इससे ट्रंप की बेचैनी बढ़ी हुई है। वह किसी भी तरह इन तीनों नेताओं में दूरी पैदा करना चाहते हैं। भारत को चाहिए कि वह बदलती वैश्विक जरूरतों में अपना फायदा देखते हुए किसी चालबाजी में न फंसे। अपनी शतरे पर व्यापार करना एक सार्वभौमिक राष्ट्र का अपना मसला है,हम किससे तेल खरीदें या न खरीदें और कितना खरीदें अमेरिका को बीच में पडने् की जरूरत नहीं है।मोदी ने ट्रंप की चाल को भांपते हुए जो सधी हुई प्रतिक्रिया दी है, उसकी प्रशंसा की जा सकती है क्योंकि परिदृश्य में आया बदलाव ट्रंप और अमेरिका पर पड़े दबाव को दिखाता है। भारत को किसी की लल्लोचप्पो में आने की जरूरत नहीं है। ये ट्रंप के सीधी लाइन पर आने के संकेत हैं।

वंशवाद में सिमटती देश की राजनीति

सजंय सक्सेना
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

भारतीय राजनीति में वंशवाद का मुद्दा कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल ही में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (एलईडब्लूय) द्वारा 12 सितंबर 2025 को जारी रिपोर्ट ने इस पुरानी समस्या को एक बार फिर ताज़ा कर दिया है। इस रिपोर्ट में देशभर के 5,204 सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों की गहन पड़ताल की गई और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि हर पांच में से एक नेता, यानी लगभग 21 प्रतिशत जनप्रतिनिधि,राजनीतिक परिवारों से आते हैं। यह आंकड़ा सिर्फ संख्याओं का खेल नहीं है,बल्कि यह लोकतंत्र की कमजोर होती नींव का प्रतीक है। लोकसभा में यह आंकड़ा और भी अधिक, 31 प्रतिशत तक पहुँच गया है। राज्यसभा में 21 प्रतिशत,राज्य विधानसभाओं में 20 प्रतिशत और विधान परिषदों में 22 प्रतिशत नेता परिवारवाद की छाया में राजनीति कर रहे हैं।परिवारवाद की जड़ें इतनी गहरी हैं कि उन युवा नेताओं को आगे बढ़ने का मौका ही नहीं मिलता है जिनके परिवार में कोई राजनीति से जुड़ा नहीं है। सवाल यह है कि कांग्रेस में गांधी परिवार, राष्ट्रीय जनता दल में लालू के बाद उनके बेटे तेजस्वी यादव,समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह के बाद उनके बेटे अखिलेश यादव,तमिलनाडु में करुणानिधि की वंशवाद वाली सियासत, महाराष्ट्र में उद्धव की शिवसेना में उद्धव ठाकरे के बाद उनके बेटे आदित्य ठाकरे,रामविलास पासवान के बाद उनके बेटे चिराग पासवान को,पंजाब में बादल परिवार, हरियाणा में चौटाला परिवार तो बसपा में मायावती के बाद उनके भतीजे आकाश, पश्मिच बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को ही उत्तराधिकारी की कुर्सी क्यों मिलती है। क्या पार्टी में परिवार से बाहर के नेताओं की कमी रहती है। बात राष्ट्रीय दलों से शुरू की जाये तो इसमें कांग्रेस सबसे आगे है। नेहरू-गांधी परिवार की विरासत यहाँ स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे नाम सिर्फ कांग्रेस की ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति में वंशवाद का प्रतीक बन चुके हैं। कांग्रेस के कुल नेताओं में 32 प्रतिशत परिवारवादी हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत,भाजपा में 17 प्रतिशत और वामपंथी दल सीपीआई(एम) में केवल 8 प्रतिशत है। इसके विपरीत, तृणमूल कांग्रेस और एआईएडीएमके जैसी दलों में यह प्रतिशत काफी कम है दृ 10 और 4 प्रतिशत। इसका कारण है कि ये दल मजबूत संगठन और काडर-आधारित संरचना पर विश्वास करते हैं,जिससे नए नेताओं को मौका मिल पाता है।

क्षेत्रीय दलों की स्थिति और भी चिंताजनक है। एनसीपी (शरद पवार गुट) और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस में 42-42 प्रतिशत नेता राजनीतिक परिवारों से आते हैं। वाईएसआर कांग्रेस में यह आंकड़ा 38 प्रतिशत और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में 36 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि दक्षिण भारत में भी परिवारवाद अब राजनीति का स्थायी हिस्सा बन चुका है। टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू और वाईएसआरसी के जगन मोहन रेड्डी इसके जीते-जागते उदाहरण हैं। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं। उत्तर प्रदेश वंशवाद का सबसे बड़ा गढ़ माना जाता है। 604 जनप्रतिनिधियों में 141 (23 प्रतिशत) परिवारवादी हैं। लोकसभा में यूपी के 28 सांसदों में राहुल गांधी (रायबरेली),अखिलेश यादव (कन्नौज),अनुप्रिया पटेल (अपना दल),जितिन प्रसाद (पीलीभीत) और जयंत चौधरी (रालोद) शामिल हैं। राज्यसभा में रामगोपाल यादव, आरपीएन सिंह और नीरज शेखर जैसे नामों ने यह साबित किया कि यहां वंशवाद गहराई तक फैला हुआ है। समाजवादी पार्टी के 161 नेताओं में 48 (30 प्रतिशत) और भाजपा के 17 प्रतिशत नेता वंशवादी हैं।

अनुपात में आंध्र प्रदेश सबसे ऊपर है, जहां 255 नेताओं में 86 (34 प्रतिशत) परिवारवादी हैं। महाराष्ट्र में 403 में 129 (32 प्रतिशत), बिहार में 360 में 96 (27 प्रतिशत), कर्नाटक में 326 में 94 (29 प्रतिशत) और असम में केवल 13 (9 प्रतिशत) नेता परिवारवादी हैं। तमिलनाडु (15 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (9 प्रतिशत) में काडर-आधारित दलों की मजबूती के कारण यह आंकड़ा कम है। झारखंड और हिमाचल प्रदेश में यह क्रमशः 28 और 27 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से यह साफ़ होता है कि बड़े और प्रभावशाली राज्यों में वंशवाद लोकतंत्र को निगलता जा रहा है। महिलाओं के मामले में स्थिति और भी गंभीर है। कुल 539 महिला सांसदों-विधायकों में 47 प्रतिशत (251) नेता सियासी परिवारों से हैं, जबकि पुरुष नेताओं में यह आंकड़ा केवल 18 प्रतिशत (856/4,665) है। उत्तर प्रदेश में 69 महिला नेताओं में से 29 (42 प्रतिशत), महाराष्ट्र में 39 में 27 (69 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश में 29 में 20 (69 प्रतिशत) और बिहार में 44 में 25 (57 प्रतिशत) महिला नेता परिवारवाद से आते हैं। तेलंगाना में यह आंकड़ा 64 प्रतिशत और गोवा-पुडुच्चेरी में 100 प्रतिशत है। भाजपा में 41 प्रतिशत और कांग्रेस में 53 प्रतिशत महिला नेता परिवार से हैं। सपा में यह संख्या 67 प्रतिशत है। इसका मतलब यह साफ़ है कि महिलाओं को राजनीति में लाने का मार्ग परिवारवाद के माध्यम से ही संभव होता है, जबकि गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं के लिए अवसर सीमित रह जाते हैं।

प्रतीकात्मक: दैनिक घटती-घटना

वंशवाद केवल बड़े दलों तक सीमित नहीं है। छोटे और अपंजीकृत दलों के 87 नेताओं में से 21 (24 प्रतिशत) वंशवादी हैं। नौ दल पूरी तरह से परिवार आधारित हैं। निर्दलीयों में 94 में से 23 (24 प्रतिशत) नेता राजनीतिक परिवारों से आते हैं। यह दिखाता है कि वंशवाद हर स्तर पर गहरा चुका है और इसका दायरा न केवल राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों तक,बल्कि स्थानीय राजनीति तक फैल चुका है। एडीआर की रिपोर्ट ने इसके चार प्रमुख कारण बताए हैं। पहला कारण है चुनावों का महंगा होना। एक औसत उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। ऐसे में दल उन लोगों को टिकट देते हैं,जिनके पास पैसा और नेटवर्क हो। दूसरा कारण है दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव। उम्मीदवारों का चयन पारदर्शी नहीं होता और परिवार हावी हो जाते हैं। तीसरा कारण 'जीतने की क्षमता' का तर्क है। राजनीतिक परिवारों के नाम और नेटवर्क वोट दिलाने में मदद करते हैं। चौथा कारण सामाजिक न्याय के नाम पर बने दलों में भी परिवारवाद का प्रभाव है। सपा, आरजेडी जैसे दलों में परिवार ही राजनीति का केंद्र बन चुके हैं। इस रिपोर्ट में वंशवाद को रोकने के लिए कुछ ठोस सुझाव भी दिए गए हैं। सख्त कानून बनाए जाने चाहिए, ताकि दलों में आंतरिक लोकतंत्र सुनिश्चित किया जा सके। आंतरिक चुनाव और गुप्त मतदान के माध्यम से पद चयन और टिकट वितरण में पारदर्शिता लानी चाहिए। महिलाओं के लिए एक-तिहाई टिकट अनिवार्य की जानी चाहिए और उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई हो। महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित करना होगा और प्रॉक्सी या टोकन उम्मीदवारों की नीति समाप्त करनी होगी। उम्मीदवारों को परिवार की शक्ति के बजाय योग्यता के आधार पर चयनित किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दलों को अपने चयन मानदंड सार्वजनिक करने होंगे और दलों को आरटीआई के दायरे में लाया जाना चाहिए। चुनाव खर्च पर सख्त सीमा लगाई जानी चाहिए। युवाओं को भी मौके मिलें,गैर-वंशवादी उम्मीदवारों और महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाए और मतदाताओं को वंशवाद के नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए। वंशवाद लोकतंत्र को धीरे-धीरे खोखला कर रहा है। यह नई प्रतिभाओं को दबाता है, जवाबदेही को कमजोर करता है और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ खिलवाड़ करता है। एडीआर की यह रिपोर्ट इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सभी दल कांग्रेस, भाजपा, सपा, टीडीपी को अपनी कमियों को सुधारना होगा। नेपाल में जेन जेड ने नेपोटिज़्म के खिलाफ आंदोलन कर सरकार तक गिरा दी। भारत के युवा भी अगर जागरूक हों, तो बदलाव की राह बन सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने गैर-राजनीतिक युवाओं को मौका देने की बात कही है, लेकिन जमीनी बदलाव अभी धीमा है। सवाल यह है कि क्या हम योग्यता पर आधारित लोकतंत्र चाहते हैं या वंशवाद के खेल को जारी रखना चाहते हैं? जवाब आने वाला समय ही देगा।

आखिर आज हिंदी का प्रचार क्यों नहीं हो पा रहा है?

संजय गोस्वामी
मुंबई-महाराष्ट्र

हिंदी की जड़ें संस्कृत में हैं और अपभ्रंश से होती हुई पुरानी हिंदी, फिर आधुनिक हिंदी के रूप में विकसित हुई है आज भारत की राजभाषा है, और इसे कई लोग पहली, दूसरी,या विदेशी भाषा के रूप में बोलते हैं.हिंदी में रामायण की सबसे लोकप्रिय कृति गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस है,जो अवधी भाषा में लिखी गई है. इससे पहले,महर्षि वाल्मीकि ने मूल रामायण को संस्कृत भाषा में लिखा था, जिसका नाम भी वाल्मीकि रामायण है.गोस्वामी तुलसीदास जी का नाम भारतीय भक्ति साहित्य में विशिष्ट स्थान रखता है। उनकी प्रमुख कृति श्री रामचरितमानस ने हिंदी भाषा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं और रामकथा को अत्यंत सरल एवं भावपूर्ण रूप में जन-जन में स्थापित किया। तुलसीदास जी का जीवन और साहित्य हमें सद्भाव,आस्था और सनातन संस्कारों की अमर विरासत से परिचित कराता है। हम उनके जीवन, कार्यों,भक्ति आंदोलन और भारतीयता में उनके अमूल योगदान का सम्यक् चिंतन करेंगे। तुलसीदास जी का जन्म संयोगवश 1532 ई. में माता रत्नावली के घर हुआ था। बचपन से ही ऋषि-मुनियों के जीवन के प्रति उनमें गहरी श्रद्धा थी। बचपन में ही सीता-राम नाम के प्रथम कीर्तन ने उनके हृदय में रामभक्ति जागृत कर दी। उनकी शिक्षा शिष्य-अध्यापकों से नहीं, बल्कि ग्राम्य जीवन में पाए जाने वाले लोकगीतों, भजनों और काव्यों से हुई। इस प्रकार की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ने उन्हें लोकभाषा और लोकभावना से सहज ही जोड़ दिया।रामचरितमानस तुलसीदास जी के जीवन का चरमोत्कर्ष था। अवधी भाषा में लिखा गया यह महाकाव्य, जिसके कारण यह ग्राम्य जीवन में भी सहज रूप से समाहित हो गया।बालकाण्ड से उत्तरकाण्ड तक, राम का प्रत्येक चरित्र सागर के समान है, नीति, दर्शन और भक्ति का अनूठा मिश्रण, श्लोकों में गहन अर्थ और छंदों में मधुरता।इन विशेषताओं ने रामचरितमानस को न केवल एक धार्मिक ग्रंथ, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक संदर्भों में एक मार्गदर्शक भी बनाया।तुलसीदास जी की साहित्यिक भाषा ने भारतीय समाज को गहन आध्यात्मिक अनुभूति से परिचित कराया। उनके द्वारा रचित काव्यों ने समाज पर गहरे प्रभाव छोड़े। 1. सामाजिक समरसता- जाति, वर्ग और लिंग के भेदभाव के बिना सभी के लिए भक्ति सुलभ बनाई। 2. उपासना की सरलता जटिल कर्मकांडों के स्थान पर सरल उपासना पद्धतियाँ प्रस्तुत की गईं। 3. नैतिक शिक्षा राम के आदर्श चरित्र के माध्यम से नैतिकता, त्याग और कर्तव्य का संदेश दिया। इन गुणों ने रामचरितमानस को हर घर, हरिजन, किसान,कारीगर, व्यापारी और राजकुमार के हृदय में जीवंत कर दिया।तुलसीदास जी ने सनातन संस्कृति की जड़ें मजबूत कीं और भारतीयता का स्वर बुलंद किया। उन्होंने रामायण के प्रमाणों को न केवल भारतीय सीमाओं तक सीमित रखा, बल्कि उसे वैश्विक मानवता के आदर्श के रूप में भी प्रकट किया। उनके भक्ति गीतों और दोहों ने नैतिकता, सत्कर्म और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रबल आह्वान किया।तुलसीदास जी के गीतों में ÷राम नाम पुण्य का सार है, जीवन में प्रेम बहा दीनदयालु रामचंद्र, विनती हमारी स्वीकार ये पद लोगों को नैतिक आधार पर खड़ा करने का एक प्रयास हैं।भक्ति आंदोलन में तुलसीदास की भूमिका अविस्मरणीय है। उन्होंने मध्यकालीन भारत में अनेकता में एकता का जो संदेश दिया, उसने देश की सांस्कृतिक एकता को नवजीवन प्रदान किया। गाँव-गाँव में भक्ति संगीत, कीर्तन, पदयात्रा और रामलीला के आयोजनों ने लोगों को एकता का एहसास कराया। उनसे प्रेरित होकर अनेक संतों और ऋषियों ने राम नाम का प्रचार किया और राममय वातावरण का निर्माण किया।आज,जब दुनिया में तर्क, वैज्ञानिकता और तात्कालिकता का बोलबाला है, तुलसीदास जी का संदेश हमें मानसिक शांति, समाज की सहिष्णुता और आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग दिखाता है।तनाव और मानसिक अशांति के समय रामचरितमानस का पाठ मन को शांति प्रदान करता है। सामाजिक विभाजन और हिंसा के युग में रामराज्य का आदर्श प्रेरणा देता है, यह युवाओं के लिए कर्तव्य और चरित्र निर्माण के आदर्श स्थापित करता है। इस प्रकार, तुलसीदास जी का मानस आज भी एक कालजयी मार्गदर्शक बना हुआ है।पूज्यपाद तुलसीदास जी द्वारा रचित सभी ग्रंथों में प्रमुख हैं, श्री रामचरितमानस,विनयपत्रिका, कविता-विलास, दोहावली आदि अन्य। अतः उनका साहित्य न केवल धार्मिक प्रवचन का उदाहरण है,बल्कि हिंदी भाषा,साहित्य और भारतीय संस्कृति की सर्वांगीण दृष्टि का भी प्रतिनिधित्व करता है। तुलसीदास जी की अविरल वाणी का प्रवाह सदैव लोगों को श्री राम के चरित्र, आदर्शों और मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा। उनका जीवन,उनका साहित्य और उनका भक्तिमय चिंतन हमें न केवल आध्यात्मिक उत्थान प्रदान करता है,बल्कि नैतिक और सामाजिक जागृति की सर्वोत्तम नींव भी रखता है। हम उनकी जयंती पर उन्हें नमन करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनकी अमर गाथा हमारे हृदय में सदैव जीवित रहे।अतः श्री रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर हमें उनके उच्च आदर्शों को आत्मसात कर अपने जीवन को राममय बनाना चाहिए।भारत में भगवान राम जी की महिमा क़ो उजागर करने गोस्वामी तुलसीदास ने भारत क़ो राममई किया क्योंकि पहले जो पंडित थे वो पहले जातपात आपस में बड़ा बनने की चाहत में बाल्मीकि रामायण क़ो संस्कृत में ही पाठ करते और इस तरह लोगों में संस्कार में कमी आई इसी क़ो दूर करने निकलें गोस्वामी तुलसीदास जी ने उसे हिंदी में ही लोगों क़ो समझाना चालू किया और जन जन में राम के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन भी काफी संघर्ष से जुड़ा रहा उनके जन्म के समय अशुभ घटनाओं के कारण, उन्हें चौथी रात को उनके माता-पिता ने त्याग दिया,अपनी रचनाओं कवितावली और विनय पत्रिका में, तुलसीदास ने अपने माता-पिता द्वारा अशुभ ज्योतिषीय विन्यास के कारण जन्म के बाद उन्हें त्यागने दिया । चुनिया बच्चे को अपने गाँव हरिपुर ले गई और साढ़े पाँच वर्ष तक उसकी देखभाल की, जिसके पश्चात् उसकी मृत्यु हो गई। रामबोला को एक दरिद्र अनाथ के रूप में स्वयं की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया गया था, और वह भिक्षा मागते हुए दर-दर भटकता रहा। ऐसा माना जाता है कि देवी पार्वती ने एक ब्राह्मण महिला का रूप धारण किया ।

हिंदी भाषा का अस्तित्व ही हमारी अस्मिता और संस्कृति का प्रमाण

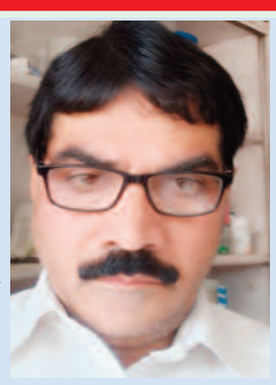

डॉ. मुश्ताक़ अहमद
हरदा, मध्य प्रदेश

हिंदी दिवस हमारे देश का गौरवशाली पर्व है, क्योंकि हिंदी केवल भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा और संस्कृतियों को जोड़ने वाला सूत्र है। हिंदी हमारी संस्कृति की आत्मा है, इसे खोकर हम अपनी पहचान खो देंगे। यह उद्धरण हमें याद दिलाता है कि भाषा का अस्तित्व ही हमारी अस्मिता और संस्कृति का प्रमाण है। हिंदी वह भाषा है जो देश के कोने-कोने में बोली जाती है और करोड़ों भारतीयों के दिलों में बसती है। यह मातृभाषा होने के साथ-साथ वह सेतु भी है जो विभिन्न प्रदेशों,बोलियों और परंपराओं को एक सूत्र में पिरोता है। हिंदी का इतिहास बेहद गौरवशाली है, इसकी जड़ें संस्कृत और प्राकृत भाषाओं में हैं,और समय के साथ विकसित होती हुई यह आज भारत की राजभाषा के रूप में स्थापित है।

हिंदी साहित्य ने हमारे समाज को नई दिशा दी है। तुलसीदास ने भक्ति और मर्यादा का आदर्श स्थापित किया, सूरदास ने वात्सल्य और अनुराग का अमृत बाँटा,कबीर ने दोहों में जीवन की गहन सच्चाइयाँ उजागर कीं,मीरा ने समर्पण और प्रेम का स्वर दिया, रहीम ने नीति और जीवन-दर्शन सिखाया,और भारतेंदु हरिश्चंद्र ने आधुनिक हिंदी को राष्ट्रजागरण और नवजागरण का स्वर प्रदान किया। इस परंपरा ने न केवल साहित्य को उजागर किया बल्कि समाज की चेतना को भी जगाया। हिंदी केवल शब्दों की भाषा नहीं,यह भारत की लय,ताल और धड़कन है। यह विचार हमें बताता है कि हिंदी मात्र बोली नहीं, बल्कि हमारे जीवन की संवेदनाओं और भावनाओं की धारा भी है। हिंदी की विशेषता इसका सरल और सहज स्वरूप है। इसकी बोलियाँ जैसे अवधी,ब्रज,भोजपुरी, मैथिली,बुंदेली आदि इसकी व्यापकता का परिचायक हैं। आज हिंदी केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुकी है। प्रवासी भारतीयों ने हिंदी का परचम ब्रिटेन, अमेरिका,मॉरीशस,फिजी,खाड़ी देशों और अफ्रीका तक फैलाया है। विश्व में हिंदी बोलने वालों की संख्या करोड़ों में है और इंटरनेट, मोबाइल तथा डिजिटल मंचों पर हिंदी सामग्री सबसे तेजी से बढ़ रही है। इस युग में हिंदी की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है।आज हिंदी दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम हिंदी को केवल अपने बोलचाल या औपचारिक प्रयोग तक सीमित न रखें, बल्कि इसे संस्कृति और साहित्य से जोड़कर अपनी आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएं। हिंदी दिवस मनाना केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि अपनी आत्मा,संस्कृति और अस्मिता को संभालने का संकल्प है। इन शब्दों के साथ हमें यह समझना चाहिए कि हिंदी का सम्मान और संरक्षण ही हमारी राष्ट्रीय एकता और आत्मसम्मान का मूल है। हिंदी वह सूर्य है जिसकी रोशनी भारतीयता को उजागर करती है। इसलिए इस हिंदी दिवस पर आइए हम सब मिलकर संकल्प लें कि हिंदी को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएंगे, गर्व से अपनाएँगे और विश्व मंच पर इसके गौरव को और ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे।

जी.एस.टी. दरों में अप्रत्याशित कटौती से कृषि बाजार होगा गुलजार

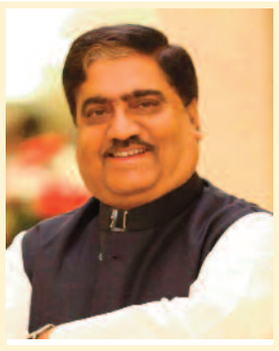

अशोक बजाज
रायपुर ,छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दूर दृष्टि सोच के तहत जी.एस.टी. दरों में भारी भरकम कटौती की है । इस कटौती का सीधा लाभ कृषि एवं किसानों को मिलेगा । 22 सितम्बर 2025 से लागू होने वाली नई दरें कृषि व कृषकों के कल्याण के लिए मील का पत्थर साबित होगी । भारत सरकार के फैसले से एक तरफ जहां कृषि लागत मूल्य कम होगा तो वहीं उत्पादन में बेतहाशा वृद्धि होगी । इससे किसानों की बल्ले-बल्ले तो होगी ही साथ ही साथ देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी । भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनने तथा विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना को साकार करने का अवसर मिलेगा ।

भारत में जी.एस.टी. (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) एक एकीकृत टैक्स व्यवस्था है जो वेट, एक्साइज ड्यूटी,सर्विस टैक्स आदि अप्रत्यक्ष करों को सम्मिलित कर 1 जुलाई 2017 से लागू है । देश में व्यापार को सुलभ बनाने, पारदर्शिता लाने एवं कर चोरी को रोकने के उद्देश्य से लागू इस व्यवस्था में वर्तमान मे चार स्लेब है जिसे घटाकर अब दो स्लेब कर दिया गया है । जनता की मांग पर व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं के हित में 2017 के बाद कई बदलाव हुए है लेकिन जी.एस.टी. कौंसिल की 56वीं बैठक में जो बदलाव का निर्णय लिया गया है वह नई आर्थिक क्रांति का सूचक है । 22 सितम्बर 2025 से लागू होने वाली नई व्यवस्था तथा जी.एस.टी. दरों में कटौती से आम उपभोक्ताओं विशेष कर किसानों के लिए सौगात से कम नहीं है । देश की अर्थव्यवस्था पर निश्चित रूप से इस बदलाव का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा । कृषि के क्षेत्र में उपयोग में आने वाली मशीनों, उपकरणों, थ्रेसर, खाद्यान्न प्रोसेसिंग उपकरण, खाद निर्माण की मशीनें,जैव-कीटनाशक,वानिकी व बागवानी के उपयोग की मशीनें व उपकरण, सिंचाई के काम में आने वाली मशीनें, ड्रिप एरिगेशन सिस्टम, स्प्रिंकलर,डेयरी उद्योग व पशुपालन,मुर्गीपालन,बकरी पालन व मत्स्य पालन में उपयोग की जाने वाली मशीनों और उपकरणों के अलावा अन्य कृषिपयोगी यंत्रों के दाम सस्ते हो जायेंगे । वर्तमान में इन पर 12 प्रतिशत टैक्स लगता था जो घटकर अब मात्र 5 प्रतिशत हो जायेगा । फलस्वरूप किसानों को सस्ते दामों पर उपकरण बाजार में मिलेंगे । इन उपकरणों के सस्ते हो जाने से इन मशीनों की मांग बाजार में बढ़ेगी जिससे उपकरण निर्माण से जुड़े उद्योगों को भी फायदा होगा। कृषिपयोगी यंत्रों के दाम घटने से लघु व सीमांत किसान भी इन उपकरणों का इस्तेमाल कर सकेंगे । कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक का प्रयोग बढ़ेगा। किसानों को कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन करने की हमेशा चिंता रहती है, जी.एस.टी. दरों में प्रस्तावित कटौती से उनकी यह चिंता दूर हो जाएगी । नए बदलाव से उत्पादन लागत तो घटेगा ही, साथ ही साथ नई उन्नत तकनीक के प्रयोग से कृषि उत्पादन भी बढ़ेगा । मोदी सरकार ने चमत्कारिक निर्णय लेते हुए 12 किस्म की जैव-कीटनाशकों और प्राकृतिक मेंथाल पर भी टैक्स घटा दिया है जिससे भारत में जैविक कृषि को प्रोत्साहन मिलेगा। वर्तमान में किसानों को कृषि उत्पाद के विपणन के लिए सुलभ बाजार की व्यवस्था तो है ही, लेकिन लघु एवं सीमांत किसान साधन के अभाव में अपना उत्पाद बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे थे। अब संसाधनों के मूल्य में कमी हो जाने से अपने उत्पादों को परिवहन करके बाजार तक आसानी से पहुंचा सकेंगे। खाद्यान्न के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने तथा विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी.एस.टी. दरों में कटौती करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। निश्चित रूप से इस बदलाव से कृषि प्रधान देश में आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। अतः यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि 22 सितम्बर 2025 का दिन भारत के खेती किसानी के लिए स्वर्णिम युग की शुरुवात होगी। इस ऐतिहासिक बदलाव से खेत और खेतिहर दोनों गुलजार होंगे ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा प्रवास के दौरान विभिन्न संस्थाओं का किया निरीक्षण

आशा निकुंज विशेष विद्यालय,बालिका बाल गृह,शक्ति सदन,बौद्धिक मन्दता विद्यालय,बालिका एवं बालक सम्प्रेषण गृह,नारी निकेतन सहित अन्य संस्थाओं में व्यवस्थाओं का जायजा लेकर दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शनिवार को सरगुजा जिले के दौरे पर रहीं। उन्होंने इस दौरान विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सर्वप्रथम अजीरमा स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने वृद्धजनों से बात कर उनका कुशल क्षेम जाना तथा उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को परिसर में एमरजेंसी लाइट लगाने तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों को गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ हो। समय-समय पर जिला स्तरीय अधिकारी निरीक्षण करें। इसके पश्चात होलीक्रॉस

आशा निकुंज विशेष विद्यालय के निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्हें अपने बीच पाकर बच्चों ने आत्मीयता के साथ उनका स्वागत किया तथा बालिकाओं ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। उन्होंने संस्था में शिक्षकों की उपलब्धता, आवासीय व्यवस्था की जानकारी ली तथा ऑडियोमैट्री कक्ष, अध्ययन कक्षों, शयनकक्ष आदि का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने दरीपारा में संचालित बालिका बालगृह का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चियों से मिलकर उपलब्ध सुविधाओं के सम्बन्ध में फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शयनकक्ष, भोजन कक्ष, मनोरंजन कक्ष, स्टाफरूम, भण्डार कक्ष आदि का अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि बच्चियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। संस्था में आने-जाने वालों की एंट्री अवश्य रखी जाए। इसी कड़ी में उन्होंने परिसर में स्थित शक्ति सदन का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने शक्ति सदन में रहने वाली श्रवणबधिर तीन बालिकाओं को आशा निकुंज विशेष विद्यालय शिफ्ट कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को कुछ नया सिखाएं, ताकि भविष्य में उनके रोजगार का जरिया बन सके। इसी प्रकार नारी निकेतन में महिलाओं से मिलकर, व्यवस्थाएं देखीं तथा महिला एवं बाल विकास अधिकारी को शयनकक्ष, शौचालय की साफ-सफाई करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान बालिका एवं बालक सम्प्रेषण गृह, प्लेस ऑफ सेफ्टी बालक, बौद्धिक मन्दता विद्यालय का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नमनाकला और बढनी झरिया की टीम ने दर्ज की जीत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय फुटबॉल मैच में शनिवार को प्रथम मैच सेंट जेवियर अंबिकापुर विरुद्ध संत इग्नासूस चर्च नमनाकला के मध्य खेला गया। जिसमें दोनों टीमों ने प्रथम हाफ में अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे के ऊपर गोल करने के लिए हावी रहे। मध्यांतर से पहले नमनाकला के खिलाड़ी लुकस ने लगातार 2 गोल कर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में सेंट जेवियर अंबिकापुर की टीम के खिलाड़ी ने एक गोल कर अंतर को कम किया। इस तरह नमना की टीम ने 2-1 मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। दूसरा मैच फुटबॉल क्लब खजूरी विरुद्ध डी ब्रदर बढनी झरिया टीम के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में बढनी झरिया की टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए अंजन एवं विजय के 1-1 गोल के बदौलत टीम ने 2-0 की बढ़त बना ली। मैच के दूसरे हाफ में बढनी झरिया टीम के अंजन ने एक और गोल कर 3-0 की बढ़त बना ली तथा खजुरी की टीम ने काफी दबाव बनाया लेकिन अंतिम समय तक गोल करने में नाकाम रही। इस तरह से बढनी झरिया के टीम ने मैच 3-0 से मैच जीत ली। 14 सितम्बर को प्रथम मैच 2 बजे से नव युवक क्लब मोहनपुर विरुद्ध रेलवे करंजी तथा द्वितीय मैच सैनिक स्कूल मेंड्राकला अंबिकापुर विरुद्ध न्यू फ्रेंड्स क्लब कंचनपुर के मध्य खेला जायेगा।

उचित मूल्य दुकान से चावल चोरी 3 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

लुंड्रा थाना क्षेत्र के खाराकोना स्थित उचित मूल्य की दुकान से हुई चावल चोरी की घटना में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सुदामा गुप्ता ने 12 सितम्बर को थाना लुंड्रा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि खाराकोना निवासी सुनील गुप्ता ने उसे सूचना दी कि दुकान में रखे चावल चोरी हो गए हैं। मौके पर जाकर देखा गया तो दुकान का खिडक़ी और रोशनदान टूटा हुआ मिला तथा अंदर रखा 6 बोरी चावल अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया था। थाना लुंड्रा में धारा 331(4), 305(इ), 317(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने मनीष प्रजापति (19 वर्ष) एवं ईश्वर राम (45 वर्ष), दोनों निवासी खाराकोना को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों ने चोरी की बात स्वीकार की और बताया कि उन्होंने 6 बोरा चावल साइकिल में ले जाकर अपने घर में रखा, जिसमें से 30 किलो चावल उन्होंने अशोक गुप्ता को बेचा। पुलिस ने अशोक गुप्ता को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत भाजपा मंडल समलाया का कार्यशाला संपन्न

समाज की सेवा ही भाजपा का मूल ध्येय है : तिवारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में भाजपा मंडल समलाया का कार्यशाला संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन पूरे देशभर में सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रत्येक कार्यकर्ता को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा का कार्य करेंगे। मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि मंडल समलाया के कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा के हर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकल्पित हैं। समाज की सेवा ही भाजपा का मूल ध्येय है और यही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर लखनपुर मंडल में कार्यशाला आयोजित

-संवाददाता-
लखनपुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस दौरान स्वच्छता अभियान,रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर,मैराथन दौड़ और प्रबुद्ध जन सम्मेलन जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में लखनपुर मंडल में सेवा पखवाड़ा की तैयारी को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता और भाजपा के महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भाजपा जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केसरी ने कार्यकर्ताओं को सेवा पखवाड़ा के महत्व और उसकी सार्थकता पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस हमें सेवा और समर्पण का संदेश देता है। प्रत्येक कार्यकर्ता को इस पखवाड़े के हर कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। वहीं, पूर्व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष निश्चल प्रताप सिंह देव ने मंडल एवं बूथ स्तर पर होने वाले विभिन्न आयोजनों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी दी और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि बूथ स्तर तक सेवा पखवाड़ा के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाया जाए। कार्यक्रम का आभार भाजपा वरिष्ठ नेता दिनेश गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित वरिष्ठ भाजपा नेता दनेश गुप्ता रवि अग्रवाल,राकेश अग्रवाल, दिनेश बारी,बृजकिशोर पाण्डे,सुरेश जयसवाल,सुरेश साहू,प्रदीप गुप्ता,कामेंद्र राजवाड़े,सत्यनारायण साहू,मोहपाल राजवाड़े, विनेश खलखो श्रीमति मति बाई, चंदन सिंह,रजवाड़े,अवधेश यादव,शिवराज सिंह, सुरेश साहू, सचिन बंसल महेश्वर राजवाड़े, सत्यनारायण साहू, राहुल अग्रवाल,कामेश्वर राजवाड़े, अमित बारी, चेतन राजवाड़े,, रामसागर साहू, यतेन्द्र पाण्डेय, गौरी साहू, मैनेजर सिंह, महोदर सोनवानी, नरेश सोनवानी,कुश सिंह, राजेंद्र सिंह, लालजीत पैकरा, बुधन सिंह, पसीन्दर राजवाड़े,संतोष यादव, चेतन राजवाड़े, घरभरन राजवाड़े,प्रभु सिंह, माखन सिंह,मुकेश ठाकुर, बुधन सिंह, अजयकांत गुप्ता, पप्पू सोनवानी, रंजीत दास, जयराम राजवाड़े,, मनोरंजन गुप्ता, अभिमन्यु , केशव सिंह, मोहन दास, गोविंद राम,अमर साय राजवाड़े,मंडल के कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।कार्यशाला में मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारीबूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला बदर के बावजूद घर लौटा निगरानी बदमाश,गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला बदर की कार्रवाई के बावजूद युवक घर में आकर रह रहा था। सूचना पर मणिपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। इंदर सोनवानी पिता रामप्रसाद सोनवानी उम्र 44 वर्ष निवासी साडबार, थाना मणीपुर को जिला बदर के आदेश के बावजूद अपने घर पर पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। ज्ञात हो कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सरगुजा द्वारा 20 फरवरी 2025 के तहत इंदर सोनवानी को सरगुजा व सीमावर्ती जिलों से एक वर्ष के लिए जिला बदर किया गया था। 12 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि वह अपने घर साडबार हरिजनपारा में मौजूद है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 170 / 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है।

रजत जयंती वर्ष पर विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबिकापुर में 12 सितम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य राज्य की 25 वर्षों की उपलब्धियों, चुनौतियों और भावी संभावनाओं पर विमर्श करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने की। उन्होंने 8 से 23 सितम्बर तक प्रस्तावित आयोजनों की विस्तृत जानकारी दी, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद, कोडिंग प्रतियोगिता, टेक्निकल क्विज,राष्ट्र निर्माण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता,साइबर सुरक्षा, लोककला और भगवान बिरसा मुंडा पर आधारित संगोष्ठियों सहित विविध विषय शामिल हैं। रजत जयंती कार्यक्रमों की श्रृंखला में 13 सितम्बर को ग्राम पंचायत ग्रीगमा में छात्रों द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी दिवस भी मनाया गया, जिसका आयोजन उन्नत भारत अभियान, रेड रिबन क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में खंड परियोजना अधिकारी इंदु मिश्रा उपस्थित रहीं। हिंदी दिवस पर प्राचार्य डॉ. खरे ने कहा कि हिंदी के विकास की भावना केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। मुख्य अतिथि मिश्रा ने भी इसी भावना को दोहराया। इस अवसर पर डॉ. मोहन राव मामदिकर ने कविता पाठ, लिसा मानिकपुरी ने भाषण,तथा नेहा यादव और नागेश साहू ने हिंदी में कविता पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसे सहायक प्राध्यापक महीधर दुबे ने प्रस्तुत किया।

अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग में हुई दुर्घटना,जल्द सुरक्षा के उपाय नहीं हुए तो हो सकती है बड़ी दुर्घटना

सड़क किनारे खुले गड्ढे में धांस दुर्घनाग्रस्त हुई पिकअप,महिला बाल-बाल बची

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत जरही में पानी सप्लाई हेतु लगाए जा रहे वाल के लिए खुदे गड्ढे अब हादसों को दावत दे रहे हैं। रविवार सुबह नगर के व्यस्त मार्ग पर पानी सप्लाई का वाल लगाने के लिए खुदे गड्ढे में पिकअप वाहन का चक्का धंस गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि पास से गुजर रही एक महिला बाल-बाल बच गई। यदि वह चपेट में आती तो बड़ा हादसा घट सकता था।मामला अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर सामने आया है। सड़क किनारे बने गड्ढों के ऊपर न तो कोई स्लैब रखा गया है और न ही सुरक्षा के लिए घेराव किया गया है। नगर पंचायत द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद इन खतरनाक गड्ढों को खुले छोड़ दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की उदासीनता बनी हुई है। स्थानीय निवासी व राहगीरों ने नगर पंचायत के सीएमओ और अध्यक्ष से कई बार मौखिक शिकायत की, फिर भी स्थिति जस की तस है। लोग जानकारी के अभाव में इन गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

आज की घटना ने प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है और आमजन में रोष बढ़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द ही इन गड्ढों पर सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो किसी भी समय बड़ा हादसा घट सकता है। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि तुरंत कार्रवाई कर गड्ढों को ढका जाए और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएँ ताकि राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। अभी तो यह घटना चेतावनी है, कल यह किसी की जान ले सकती है। नगर पंचायत की सक्रियता ही लोगों की सुरक्षा का भरोसा बनेगी।

चोरी के 2 समरसिबल पम्प सहित 1 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पम्पापुर निवासी दिनेश कुमार ने चौकी खड़गवां में रिपोर्ट दर्ज कराया कि अपने बाड़ी में समरसिबल पम्प लगवाया था जिसे दिनांक 06-07.09.2025 को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही लक्ष्मी उर्फ नटवा गिरी पिता परमेश्वर उम्र 27 वर्ष ग्राम केरता को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने समरसिबल पम्प चोरी करना स्वीकार कर ग्राम पम्पापुर से एक और समरसिबल पम्प चोरी को अपने 2 अन्य साथियों के साथ चोरी करना बताया। आरोपी के निशानदेही पर चोरी का 2 नग समरसिबल पम्प जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले के 2 अन्य आरोपी फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी खड़गवा रघुवंश सिंह व उनकी टीम सक्रिय रही।

यूरिया वितरण में अनियमितता उजागर विजय ट्रेडिंग कम्पनी का परमिट सस्पेंड, दुकान-गोदाम सील

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

किसानों को शासन द्वारा निर्धारित दर एवं गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिले में कृषि विभाग की कड़ी निगरानी जारी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार संचालक कृषि श्री राहुल देव (आई.ए.एस.), संयुक्त संचालक कृषि सरगुजा संभाग श्री यशवंत केराम, कलेक्टर श्री विलास भोस्कर एवं उपसंचालक कृषि अंबिकापुर श्री पिताम्बर सिंह दीवान के मार्गदर्शन में जिले के निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों से 40 बोरी से अधिक यूरिया लेने वाले कृषकों का सत्यापन किया जा रहा है। उर्वरक निरीक्षक श्री सोहन लाल भगत एवं अन्य निरीक्षकों द्वारा टॉप 20 खरीदारों के सत्यापन में यह स्पष्ट हुआ कि अम्बिकापुर स्थित मेसर्स विजय ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 सहित उर्वरक मूवमेंट नियंत्रण आदेश 1973 के प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है।

मवेशी तस्करी मामले में फरार 4 आरोपियों को थाना प्रतापपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

मवेशी तस्करी में प्रयुक्त पायलेटिंग व निगरानी करने तथा अपराध के आय से अर्जित 41 लाख रूपये कीमत के 4 वाहन को किया गया जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दिनांक 29.08.2025 को मवेशी तस्करी की सूचना पर थाना प्रतापपुर पुलिस ने 2 पिकअप में 10 मवेशी लोड़ कर ले जाते तीन आरोपी रामप्रसाद बरगाह, देवराज निवासी कांसदोहर थाना राजपुर व इब्ने अली निवासी अमनदोन थाना प्रतापपुर को पकड़ा गया था जिनके कब्जे से 10 मवेशी व 2 पिकअप वाहन जप्त कर छ.ग. राज्य कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4,6,10 व पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1) घ के तहत कार्यवाही कर तीनों को गिरफ्तार किया गया था। मामले में अन्य आरोपी फरार थे जिनकी पतासाजी की जा रही थी। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने फरार आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी अनूप एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रतापपुर की पुलिस टीम के द्वारा फरार आरोपियों की पतासाजी के दौरान आरोपी तेज राम सोनवानी निवासी चौरा थाना राजपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि अपने साथी फिरोज अंसारी, दीपक सोनवानी व सुरेन्द्र रवि भी मवेशी तस्करी में शामील थे जिसके बाद दबिश देकर इन तीनों को भी पकड़ा गया। मामले में आरोपी तेज राम सोनवानी पिता ढोला राम सोनवानी उम्र 41 वर्ष निवासी चौरा थाना राजपुर, फिरोज अंसारी पिता सुलतान अंसारी उम्र 35 वर्ष निवासी विजयनगर, चौकी विजयनगर, दीपक सोनवानी पिता स्व. श्याम बिहारी उम्र 30 वर्ष निवासी महाबीरगंज, सुरेन्द्र रवि पिता शिवनारायण उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम दुप्पी महुआपारा थाना राजपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त पायलेटिंग व निगरानी करने तथा अपराध के आय से अर्जित किए गए 1 बोलेरो, 1 हुण्डई आई-20 कार, 1 मारूती अर्टिगा कार, 1 टेऊक्टर को जप्त किया गया है जिसकी कीमत करीब 41 लाख रूपये है।

फाईल-फोटो

काउंसलिंग में अनियमितता को लेकर आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे शिक्षक से संयुक्त संचालक ने की अभद्रता,संघ की चुप्पी पर उठा सवाल

घटती घटना

शिक्षकों के पदोन्नति मामले में चल रहा है पैसों का खेल,लाखों में हो रही पोस्टिंग की सेटिंग:सूत्र

भ्रष्ट शिक्षा अधिकारी आखिर पहुंचा अपने अंजाम तक,दैनिक घटती घटना ने अधिकारी के भ्रष्टाचार को प्रमुखता से किया था प्रकाशित

■ प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को अपने भ्रष्टाचार से दूषित करने वाले संयुक्त संचालक को किया गया निलंबित

■ शिक्षा व्यवस्था को दीमक बनकर व्यवस्था को खोखला करने वाले ऐसे अधिकारियों पर लगातार कार्यवाही मांग अब बढ़ी

सरगुजा संयुक्त संचालक रहते हुए हेमंत उपाध्याय ने शिक्षकों से पदस्थापना के नाम पर की थी उगाही

पदोन्नति पदस्थापना में पैसे के लेन देन के लिए हेमंत उपाध्याय ने शिक्षक नेताओं को भी बनाया था अपना दलाल

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंततः एक भ्रष्ट शिक्षा अधिकारी अपने अंजाम तक पहुंच ही गया,दैनिक घटती-घटना ने भ्रष्ट शिक्षा अधिकारी की भ्रष्टाचार से जुड़ी खबरें उसकी स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली को लेकर कई बार शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराने का प्रयास जारी रखा हुआ था और अब जाकर उसे दंडित किया गया है स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा और इस कार्यवाही के बाद स्कूल शिक्षा विभाग की सराहना भी हो रही है वहीं शिक्षकों के बीच इस कार्यवाही के बाद उत्साह नजर आ रहा है और उनका मानना है ऐसे अधिकारी शिक्षा विभाग के लिए एक दाग हैं एक अभिशाप हैं जिनकी गति ऐसी ही होनी चाहिए और उन्हें दंड की शुरू की गई यह नई परम्परा बंद नहीं होनी चाहिए जिससे शिक्षा जैसे पवित्र माने जाने वाले शासकीय विभाग में दोबारा कोई गंदगी फैलाने की न सोचे वह भयभीत होकर काम ईमानदारी से करे। बता दें कि सरगुजा संभाग में लंबे समय तक संयुक्त संचालक शिक्षा का जिम्मा संभालने वाले हेमंत उपाध्याय को स्कूल शिक्षा विभाग ने मनमानी पूर्ण और स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली का दोषी बताकर निलंबित कर दिया। यह निलंबन भी तब किया गया जब संयुक्त संचालक दुर्ग के पद पर वर्तमान में पदस्थ हेमंत उपाध्याय प्रदेश के नए शिक्षा मंत्री के स्वागत सम्मान कार्यक्रम में उपस्थित थे और वह कहीं न कहीं खुद आयोजक थे,एक तरफ वह प्रदेश के नए शिक्षा मंत्री का स्वागत सम्मान कर रहे थे उनके साथ मंच साझा कर रहे थे दूसरी तरफ उनके निलंबन का आदेश स्कूल शिक्षा विभाग बना रहा था और जिसे कार्यक्रम समाप्त होते ही जारी कर दिया गया। 12 सितंबर को ही शिक्षा मंत्री का सम्मान कार्यक्रम दुर्ग जिले में आयोजित था और 12 सितम्बर को संयुक्त संचालक शिक्षा दुर्ग हेमन्त उपाध्यक्ष को निलंबन आदेश मिल गया जिसमें स्वेच्छाचारिता जैसे शब्द उनकी सेवाकाल की उपलब्धियों स्वरूप दर्ज थे। हेमंत उपाध्याय शिक्षा विभाग के उन अधिकारियों में प्रदेश में शुमार थे जो बेहतर कार्यप्रणाली की बजाए दोषपूर्ण कार्यप्रणाली स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली के लिए जाने जाते हैं। सरगुजा संभाग में संयुक्त संचालक रहते हुए किए गए दोषपूर्ण कार्यवाहियों के लिए ही यह निलंबन किया गया है और सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक रहते हुए इन्होंने क्या क्या गुल खिलाए थे किस तरह शिक्षा जैसे पवित्र विभाग को कलंकित करने का काम किया था यह लगातार शासन प्रशासन के संज्ञान में दैनिक घटती घटना ने लाने का काम किया था। सरगुजा संभाग में सहायक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षक पदोन्नति के दौरान संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा रहे हेमंत उपाध्याय ने तो मनचाही पदस्थापना प्रदान करने के लिए दुकान ही खोल रखा था जहां कुछ शिक्षक नेता उनके एजेंट थे जो शिक्षकों से वसूली करके उन्हें कनिष्ठ रहने पर भी वरिष्ठ से आगे सूची में शामिल करा देते थे और ऐसा चिकित्सा प्रमाण पत्र जो फर्जी होता था या अन्य फर्जी आधार पर किया जाता था यहां तक कि संशोधन का मात्र खेल खेलकर ही करोड़ों इन्होंने सरगुजा से इक्कठा किया था।

घटती घटना

शिक्षकों के पदोन्नति मामले में चल रहा है पैसों का खेल,लाखों में हो रही पोस्टिंग की सेटिंग:सूत्र

नए शिक्षा मंत्री ने दिया कड़ा संदेश,शिक्षा विभाग जैसे पवित्र विभाग को कलंकित करने वाले बख्शे नहीं जायेंगे

हेमंत उपाध्याय जैसे शिक्षा अधिकारी का निलंबन यह बतलाता है कि प्रदेश के नए शिक्षा मंत्री शिक्षा विभाग को कलंकित करने वाले किसी भी जिम्मेदार के साथ सकारात्मक रुख नहीं अपनाने वाले,संयुक्त संचालक पद पर लंबे समय तक कार्य कर चुके हेमंत उपाध्याय ऐसे शिक्षा अधिकारी हैं जिन्हें या जिनसे पूर्व परिचित निश्चित रूप से होंगे नए शिक्षा मंत्री ,नए शिक्षा मंत्री पूर्व भाजपा शासनकाल में स्काउट गाइड के प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी सम्हाल चुके हैं और इस दौरान ऐसा नहीं है कि उन्हें हेमंत उपाध्याय से मिलने या उनके बारे में जानने का मौका न मिला हो,शिक्षा विभाग प्रदेश का कलंक मुक्त होगा भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, अधिकारियों स्वेच्छाचारिता नहीं चलने वाली इस एकमात्र निलंबन कार्यवाही से संदेश देने का शायद प्रयास किया गया।

चापलूसी से नहीं साफ-सुथरी छवि साथ ही शिक्षा विभाग में बिना भ्रष्टाचार काम करने से प्रसन्न होंगे... शिक्षामंत्री,कार्यवाही ऐसा ही संदेश

संयुक्त संचालक दुर्ग हेमंत उपाध्याय का निलंबन प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग का एक ऐसा संदेश माना जा रहा है जिसके माध्यम से शिक्षा मंत्री सहित विभाग ने नए मंत्री के आरंभिक कार्यकाल में यह बताने का प्रयास किया है कि अब प्रदेश में सुशासन आधारित ही शिक्षा प्रणाली कायम होने वाली है,भ्रष्टाचार,स्वेच्छाचारी कार्यप्रणाली के साथ काम करने वाले कतई माफी के लायक नहीं माने जाएंगे,चापलूसी और जी हुजूरी से अब काम नहीं चलेगा,हेमंत उपाध्याय जिस दिन निलंबित हुए वह नए शिक्षा मंत्री के लिए सम्मान समारोह आयोजित कर उनकी चापलूसी के प्रयास में थे और उन्हें वह कहीं न कहीं इस चापलूसी से रिझाना चाहते थे वहीं जैसे ही कार्यक्रम सम्पन्न हुआ हेमंत उपाध्याय निलंबित होने का आदेश प्राप्त कर गए,अब ऐसा कहना कि चापलूसी सहित जी हुजूरी से काम नहीं चलेगा,साफ स्वक्ष बिना भ्रष्टाचार करना पड़ेगा शिक्षा विभाग को कलंकित करने वाले छोड़े नहीं जाएंगे यही सन्देश दिया गया शायद।

सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा रहते हुए हेमंत उपाध्याय ने किया था बड़ा भ्रष्टाचार, स्वेक्षाचारिता का भी कार्यकाल के दौरान आरोप

हेमंत उपाध्याय का सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा रहने के दौरान का कार्यकाल बड़े भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है,इस दौरान हेमंत उपाध्याय ने पद का दुरुपयोग करते हुए जमकर भ्रष्टाचार किया था और इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से जमकर वसूली भी की थी,सहायक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षक पद पर पदोन्नति के दौरान संभाग भर के अधिकांश ऐसे शिक्षकों से मनचाही पदस्थापना के लिए वसूली इन्होंने की थी जिन्हें मनचाही पदस्थापना चाहिए थी,वसूली के लिए हेमंत उपाध्याय ने कुछ शिक्षक नेताओं को अपना एजेंट नियुक्त किया था जो उनके पूरे कार्यकाल जो सरगुजा संभाग में उनका रहा चरण वंदना करते नजर आते रहे,एक भ्रष्टाचारी के साथ शिक्षक नेताओं के इस तालमेल की भी खबरें दैनिक घटती घटना ने प्रकाशित की थी और तब मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने हेमंत उपाध्याय पर कार्यवाही की थी,वैसे तब वह प्रभाव का इस्तेमाल कर साथ ही अपने ऊपर लगे आरोपों के लिए उपलब्ध तथ्यों को छिपाकर न्यायालय से स्थगन प्राप्त करने में सफल हो गए थे लेकिन पाप का घड़ा छिपाए नहीं छिपा और अंततः एक मामले में वह सरगुजा के ही दोषी माने गए।

Devendra Kishor Gupta
5h
हमारे नए शिक्षा मंत्री Gajendra Yadav ने बता दिया है कि वे किसी के दबाव में,किसी के प्रभाव में काम नहीं करने वाले! आज उन्होंने ढाई साल पुरानी फाइल खुलवाई और शिक्षक प्रमोशन घोटाला करने वाले, एक रसूखदार, ऊंची पहुंच का दंभ भरने वाले भ्रष्ट अफसर को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि शिक्षकों के साथ अन्याय करने वाले माफ नहीं किए जाएंगे।
मंत्री जी आपका तेवर ऐसे ही बना रहे👍
आदेश की कॉपी कमेंट बॉक्स में...

घटती घटना

काउंसलिंग में अनियमितता को लेकर आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे शिक्षक से संयुक्त संचालक ने की अभद्रता,संघ की चुप्पी पर उठा सवाल

सरगुजा में पदोन्नति पदस्थापना के दौरान का भ्रष्टाचार करोड़ों का है भ्रष्टाचार,हेमंत उपाध्याय का माना जा सकता है काला अध्याय

सरगुजा संभाग का सहायक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षक पदोन्नति मामला प्रदेश का सबसे बड़ा घोटाला साबित हो सकता है,जांच होने पर आज भी यह भ्रष्टाचार आसानी से सामने आ सकता है,इस भ्रष्टाचार को अंजाम देने हेमंत उपाध्याय ने अपने पद का जमकर दुरुपयोग किया था और इसमें कई स्तर पर अनियमितता की गई थी,शिक्षकों को मनचाही पदस्थापना देने के उद्देश्य से पहले शिक्षक नेताओं के माध्यम से वसूली हुई और बाद में क्रमशः भ्रष्टाचार पदस्थापना के दौरान किया गया। कुछ को फर्जी मेडिकल का लाभ दिया गया और मन माफिक विद्यालय दिया गया आवंटित किया गया अन्य की वरिष्ठता को कनिष्ठ किया गया और बाद में संशोधन के खेल से भी भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया,ऐसा नहीं है कि यह मामला प्रकाश में नहीं आया,इस मामले में दैनिक घटती घटना ने लगातार खबर प्रकाशित किया कार्यवाही भी हुई हेमंत उपाध्याय निलंबित भी हुए लेकिन उन्होंने तब कार्यालय के ही कुछ खास लोगों की सहायता से साक्ष्यों के साथ हेराफेरी की और बच निकले,वैसे आज भी जांच की जाए यह मामला उजागर हो जाएगा और तब के करोड़ों के भ्रष्टाचार से पर्दा उठ सकेगा।

कुछ शिक्षक नेताओं ने हेमंत उपाध्याय को सरगुजा के शिक्षा विभाग को बर्बाद करने लगातार सहयोग किया था..

किसी भी विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए उनके द्वारा ही उनके बीच से नियुक्त शिक्षक नेता काम करते हैं जो अन्याय और अत्याचार सहित शिक्षकों के मामले में होने वाले शोषण से शिक्षकों को बचाते हैं,इसके विपरीत सरगुजा संभाग में हेमंत उपाध्याय के कार्यकाल के दौरान यह देखने को मिला कि कुछ शिक्षक नेता लगातार हेमंत उपाध्याय का सहयोग कर रहे थे और हेमंत उपाध्याय शिक्षकों का शोषण कर रहे थे, शिक्षा विभाग को बर्बाद करने वाले भ्रष्ट अधिकारी के साथ कुछ शिक्षक नेताओं की जुगलबंदी काफी प्रसिद्ध हुई थी, शिक्षकों के लिए उनके हितों की रक्षा के लिए काम करने वाले शिक्षक संघ के नेताओं के कारण भी हेमंत उपाध्याय को भ्रष्टाचार करने बल मिला करता था।

कई बार हटाए गए,प्रभाव से वापस आए जब भेजे गए राज्य कार्यालय प्रभाव से पहुंचे दुर्ग,हुए निलंबित...

हेमंत उपाध्याय ऐसे अधिकारी हैं शिक्षा विभाग के जो अपनी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के लिए ही विख्यात रहे,सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक के तौर पर इनका कार्यकाल शिक्षा विभाग को कलंकित करने वाला कार्यकाल माना गया,इन्हें सरगुजा से कई बार हटाया भी गया लेकिन इन्होंने प्रभाव से पुनः वापसी की वहीं इस बार जब इन्हे राज्य कार्यालय भेजा गया पुनः इन्होंने जुगाड लगाया और संयुक्त संचालक शिक्षा दुर्ग के लिए प्रभाव से इन्होंने जुगाड लगा लिया वैसे इस बार इनका जुगाड ज्यादा समय के लिए नहीं टिक पाया नए शिक्षा मंत्री वाला शिक्षा विभाग इन्हें इनकी असली गति बता ले गया और अब यह सेवा के अंतिम समय में निलंबित होने का पुनः पुरस्कार प्राप्त कर ले गए।

सरगुजा संभाग के कुछ शिक्षक नेता सरगुजा से रवानगी के दौरान काफी मायूसी से पहुंचे थे विदाई देने,अब उनकी मायूसी और बढ़ेगी यह तय है...

हेमंत उपाध्याय की जब सरगुजा संभाग से दुर्ग संभाग के लिए रवानगी हो रही थी तब कुछ शिक्षक नेता रेलवे स्टेशन तक उन्हें छोड़ने गए थे और वह काफी मायूस थे अपने चहेते अधिकारी के संभाग से अन्यत्र जाने से, विदाई की उन्होंने तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की थी वहीं अब जब वह निलंबित किए गए वह पुनः मायूस हैं क्योंकि उनका चहेता अधिकारी अब शिक्षा विभाग को कलंकित करने का दोषी माना गया है जिसे दंडित किया गया है।

शिक्षकों की प्रतिक्रिया हेमंत उपाध्याय के खिलाफ

प्रदेश के शिक्षकों खासकर सरगुजा संभाग के अधिकांश शिक्षकों की प्रतिक्रिया हेमंत उपाध्याय के खिलाफ है, शिक्षकों का कहना है करनी का यह फल प्रताप है जो मिला है,वैसे शिक्षकों ने कुछ अन्य शिक्षा अधिकारियों का भी उल्लेख किया है और अब देखना है कि क्या उनके भी कार्यकाल की जांच कर कार्यवाही की जाती है।

अंबिकापुर की जर्जर सडक़ों पर पलटा ई-रिक्शा,बाल-बाल बचा चालक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बनारस स्टेट हाइवे पर स्थित पीजी कॉलेज मैदान से लगे एक निजी अस्पताल के सामने शनिवार की दोपहर एक ई-रिक्शा पलट गया। ई-रिक्शा चालक सब्जियां लोड कर गांधीनगर की ओर जा रहा था। हादसे में चालक को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन ई-रिक्शा पलटने के कारण हल्का जाम लग गया और स्थानीय लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा। घटना दोपहर करीब 2 बजे की है जब गायत्री हॉस्पिटल के सामने ई-रिक्शा सडक़ पर बने गहरे गड्ढों में असंतुलित होकर पलट गया। चालक ने स्वयं रिक्शा उठाने की कोशिश की, लेकिन लोड अधिक होने के कारण वह अकेले नहीं उठा पाया। बाद में वहां मौजूद लोगों ने बोरे बाहर निकालकर रिक्शा सीधा करने में मदद की। यह घटना कोई अपवाद नहीं है। अंबिकापुर की सडक़ों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। चाहे स्टेट हाइवे हो, नेशनल हाइवे या शहर के अंदरूनी मार्ग – अधिकांश जगहों पर गहरे गड्ढे बन चुके हैं। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर पीजी कॉलेज मैदान के पास करीब 50 मीटर लंबे हिस्से में पिछले तीन महीने से बड़े-बड़े गड्ढे हैं। इन गड्ढों को 2-3 बार अस्थायी रूप से भरा गया, लेकिन भारी वाहनों की आवाजाही और बारिश के कारण दो-तीन दिनों में ही सडक़ फिर से खराब हो जाती है। शहर के प्रमुख मार्ग जैसे देवीगंज रोड, सदर रोड, स्कूल रोड, सतीपारा रोड, अंबेडकर चौक से गांधी चौक, अंबेडकर चौक से रेलवे स्टेशन, भारत माता चौक से लुचकी मोड़, तथा अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाइवे की हालत भी बेहद खराब है। इन मार्गों पर गड्ढों की संख्या इतनी अधिक हो गई है कि पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने कई बार शिकायतें कीं, जनप्रतिनिधियों से लेकर नगर निगम तक गुहार लगाई, लेकिन सडक़ों की हालत सुधारने की दिशा में कोई स्थायी कदम नहीं उठाया गया। जनता में इसको लेकर गहरा आक्रोश है। कई बार सडक़ जाम कर विरोध-प्रदर्शन भी किया गया, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिला। गंभीर चिंता की बात यह है कि इन खराब सडक़ों पर हादसों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ई-रिक्शा, दोपहिया वाहन और पैदल यात्रियों के लिए यह गड्ढों खतरे का कारण बन रहे हैं। शनिवार की यह घटना एक और चेतावनी है कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द इन गड्ढों को स्थायी रूप से भरा जाए और सडक़ निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए। वरना आने वाले समय में यह सडक़ें सिर्फ दुर्घटना स्थल बनकर रह जाएंगी।

प्रदेश में तीसरी बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभर रही है गोंडवाना गणतंत्र पार्टी

राष्ट्रीय अध्यक्ष पाली तानाखार विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम के लगातार जन संपर्क अभियान से बढ़ रहा है पार्टी का जनाधार

प्रदेश में लोगों के बीच तीसरे विकल्प स्वरूप पार्टी बना रही है स्थान, सर्व समाज को साधने भी पार्टी चला रही अभियान

-रवि सिंह-

कोरबा/कोरिया,13 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

13 जनवरी सन 1991 को मध्यप्रदेश की राजनीति में एक नई पार्टी का जन्म हुआ जिसका नाम तब गोंडवाना गणतंत्र पार्टी रखा गया,यह पार्टी तब मध्यप्रदेश के बिलासपुर जिले के एक छोटे से ग्राम तिवरता जो अब राज्य विभाजन उपरांत छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित है में 14 जनवरी 1942 को जन्म लिए एक आदिवासी गोंड समुदाय के एम ए एलएलबी तक शिक्षा प्राप्त हीरा सिंह मरकाम ने किया था जिन्होंने पार्टी का गठन आदिवासी हितों के संरक्षण और संवर्धन के लिए किया था। हीरा सिंह मरकाम लगातार गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के विस्तार और आदिवासी हितों के लिए प्रयासरत पार्टी के माध्यम से बने रहे और 28 अक्टूबर 2020 को उनका निधन हो गया,इस बीच उन्होंने खुद द्वारा गठित गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को प्रसिद्धि दिलाने और उसके प्रसार को बढ़ाने बहुत प्रयास किए और इसमें वह सफल भी हुए वहीं पार्टी प्रदेश में लगातार जनाधार बढ़ाकर चुनावों में दर्ज करती नजर आई। पार्टी के संस्थापक हीरा सिंह मरकाम की मृत्यु के बाद वर्ष 2020 के बाद पार्टी ने अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया और यह जिम्मा स्व हीरा सिंह मरकाम के पुत्र तुलेश्वर सिंह मरकाम को मिला। तुलेश्वर सिंह मरकाम पिता की ही तरह विधि संकाय से स्नातक हैं और वह पिता के साथ लगातार राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं,पार्टी ने यही खूबी देखकर उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उन्होंने पार्टी को अपने नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही बड़ी सफलता भी दिलवाई, छत्तीसगढ़ प्रदेश के वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की तरफ से उन्होंने पाली तानाखार विधानसभा से प्रत्याशी बतौर भाग्य आजमाया और वह सफल हुए। आज वह छत्तीसगढ़ प्रदेश की विधानसभा में सदस्य बतौर एक विधानसभा का नेतृत्व कर रहे हैं।

सांस्कृतिक संरक्षण और प्रोत्साहन

पार्टी ने आदिवासी समुदाय की संस्कृति को महान बताते हुए यह लक्ष्य निर्धारित किया है कि आदिवासी संस्कृति संरक्षण योग्य है,यह ऐसी संस्कृति है जो धरोहर से कम नहीं,आज यह संस्कृति संरक्षण के अभाव में विलुप्त हो रही है,पार्टी के अनुसार सरकार इस दिशा में काम नहीं कर रही है,आदिवासी संस्कृति जो आदिवासियों की पहचान है उसका संरक्षण आदिवासियों को ही पहले करना चाहिए जबकि वह भी इस दिशा में उदासीन होते नजर आ रहे हैं,यह आत्मसम्मान से जुड़ा मामला है आदिवासियों के और इसके लिए पार्टी हमेशा प्रयास करेगी कि यह संरक्षण प्राप्त करती रहे,पार्टी के अनुसार यह राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर एक धरोहर है जिसका संरक्षण अपनी पहचान का संरक्षण कहना सही होगा।

सरकारी योजना और सरकारी नीतियां

आज सरकारी नीतियां और योजना आदिवासियों तक पहुंच पा रही हैं इसमें संदेह है,पहुंच भी रही हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच का आभाव पाया जा रहा है,यह किस तरह एक एक व्यक्ति तक पहुंच सके यह पार्टी का चिंतन है ऐसा पार्टी का विचार है,इसकी पहुंच से ही असल विकास संभव ऐसा पार्टी का मानना है। पार्टी के अनुसार आदिवासी समुदाय परम्पराओं सहित मान्यताओं से घिरा एक सीधा साधा समुदाय है जिसकी पहचान ही उसकी सादगी है और इस सादगी के कारण ही उन्हें योजनाओं से वंचित भी किया जाता है और उन्हें मुख्यधारा से अलग किया जाता है जो सही नहीं है। पार्टी का इस विषय में अलग चिंतन है जो समुदाय को समाज के हर वर्ग से कंधा मिलाता देखना चाहता है।

शिक्षा और जागरूकता के क्षेत्र में पार्टी का रुख

पार्टी ने अपने उद्देश्यों में से एक उद्देश्य यह भी बतलाया कि आदिवासी समुदायों में शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने से उन्हें अपने अधिकारों और संभावनाओं के बारे में पता चलेगा,पार्टी आदिवासी समुदाय के लिए शिक्षा और जागरूकता अभियान के लिए प्रयास कर रही है करेगी भी,अन्य समुदाय के लिए भी समान शिक्षा के साथ जागरूकता की बात भी वह उद्देश्यों में शामिल बताते हैं और उनका कहना है कि समाज में विकास की अवधारणा एक समुदाय के साथ कायम नहीं हो सकती लेकिन विकास की अवधारणा में ज्यादा और कम जरूरतों की बात तय करते हुए एक समान कार्यक्रम की रूपरेखा ऐसा रास्ता निकाल पाएगी जिससे बिना पक्षपात सबके लिए समान व्यवस्था लागू हो पाएगी।

स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हों,इलाज के लिए भटकने की जरूरत न आए कभी

पार्टी ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी अपना उद्देश्य और अपनी रणनीति तैयार की है,पार्टी के अनुसार स्वास्थ्य सुविधा ऐसी हो की कभी इलाज के अभाव में किसी की जान न जाए वहीं सभी के लिए बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदेश में ही उपलब्ध हो सके।पार्टी के अनुसार यह ऐसा विषय है जिसके लिए अमीर गरीब सभी चिंता में घिरे रहते हैं और यह चिंता दूर होगी यदि वह प्रदेश में लोगों द्वारा स्वीकार किए जाते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पार्टी के अनुसार अभी और काम किए जाने की जरूरत है और हाल की स्थिति नाकाफी है,हर व्यक्ति तक किस तरह विस्तार कायम हो सके पार्टी यह चिंता कर रही है।

आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पार्टी की रणनीति

पार्टी के अनुसार आदिवासी समुदायों में आर्थिक सशक्तिकरण के लिए रोजगार के अवसरों की प्रदायता संभव बनाने पार्टी को काम करना है,पार्टी के संस्थापक स्व हीरा सिंह मरकाम स्वरोजगार के लिए प्रेरणा देते थे और पार्टी उनका ही अनुसरण स्व रोजगार विषय में करेगी,इसके लिए उन्हीं का फार्मूला उपयोग किया जाएगा। पार्टी के अनुसार रोजगार विषय में आदिवासी समुदाय आज भी पिछड़ा हुआ है और वह नौकरियों की तलाश तक सीमित है,आदिवासी समुदाय के लोगों को स्वरोजगार की तरफ प्रेरित किया जाना आवश्यक है जिसके लिए पार्टी आगे लगातार काम करेगी।

तुलेश्वर सिंह मरकाम का इस पार्टी विस्तार अभियान में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी सहयोग कर रहे

तुलेश्वर सिंह मरकाम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही पार्टी को आदिवासी हितों की रक्षा के लिए संकल्पित बताते हुए सर्व समाज से भी पार्टी में जुड़ने का यह कहकर आह्वान आरंभ किया कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रदेश में सर्व हित संरक्षा के लिए प्रतिबद्ध बनकर मौका दिए जाने पर काम करेगी और वह आदिवासी हितों का भी संरक्षण लगातार करेगी। तुलेश्वर सिंह मरकाम इस बीच लगातार जन संपर्क जारी रखे हुए हैं और अब प्रदेश में पार्टी तीसरे राजनीतिक विकल्प की तरफ अपना रास्ता बनाती नजर आ रही है। आज प्रदेश में हर जिले हर विकासखंड तक जाकर पार्टी की कार्यकारिणी का गठन और पार्टी के लिए कार्यकर्ताओं की फौज तैयार करने का काम तुलेश्वर सिंह मरकाम करते नजर आ रहे हैं,उनके प्रयासों का असर भी नजर आ रहा है और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी अब लगातार अपना विस्तार देख पा रही है। वैसे यह कहना अतिशयोक्ति नहीं मानी जानी चाहिए कि जल्द ही गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रदेश में तीसरे राजनीतिक विकल्प स्वरूप जानी पहचानी जाने लगेगी और यह जल्द होगा ऐसा खुद तुलेश्वर सिंह मरकाम कहते भी सुने जा सकते हैं। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी पहले केवल आदिवासी समुदाय तक सीमित नजर आती थी आज इसका जिस तरह विस्तार नजर आ रहा है उसमें सभी समाज और जातियों के लोगों की उपस्थिति देखी जा रही है,आज आदिवासी समुदाय सहित पिछड़ा वर्ग समुदाय अन्य सभी समुदाय पार्टी से जुड़ते नजर आ रहे हैं। तुलेश्वर सिंह मरकाम का इस पार्टी विस्तार अभियान में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी सहयोग कर रहे हैं और वह भी लगातार भ्रमण और जन संपर्क अभियान चलाकर पार्टी को प्रदेश में लोगों के बीच तीसरे विकल्प स्वरूप स्थापित करने में पूरी अपनी ऊर्जा खपा रहे हैं।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोरिया जिले के इंजीनियर संजय सिंह कमरों स्व हीरा सिंह मरकाम के भी चहेते थे...

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोरिया जिले के इंजिनियर संजय सिंह कमरों स्व हीरा सिंह मरकाम के भी चहेते थे और वह उनके काफी करीबी भी थे,पार्टी संस्थापक स्व हीरा सिंह मरकाम अपने जीते जी इंजीनियर संजय सिंह कमरों को हमेशा साथ लेकर चलते थे और अब उन्हीं का अनुसरण करते हुए उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष पुत्र भी उन्हें साथ लेकर पार्टी के विस्तार को गति दे रहे हैं। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रदेश में सभी के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सभी के लिए समान शिक्षा और समान अधिकार की पक्षधर बनकर काम करेगी यह पार्टी का लोगों के लिए नया संदेश है। पार्टी के अनुसार पार्टी की स्थापना और आज के परिवेश के बीच बहुत कुछ बदला है और आज की स्थिति ऐसी है कि सभी के सभी समुदायों के हितों की रक्षा एक चुनौती बनी हुई है,चुनी जा रही सरकारों के प्रति प्रदेश के लोगों का विश्वास पूरी तरह कायम नहीं रह पा रहा है और जिसे कायम करना गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की तरफ से गारंटी बतौर वह बतला रहे हैं।

पार्टी के विस्तार के लिए तुलेश्वर,संजय सहित नीलेश के प्रयास अब लगातार देखने को मिल रहे हैं...

पार्टी के विस्तार के लिए उसे प्रदेश में तीसरे राजनीतिक विकल्प बतौर स्थापित करने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम,प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर संजय सिंह कमरों और पार्टी के प्रदेश महामंत्री निलेश पाण्डेय के प्रयास काफी तेज नजर आ रहे हैं,लगातार भ्रमण ,गठन और जनाधार में वृद्धि के प्रयास देखने को मिल रहे हैं,पार्टी आज लगातार खबरों में बनी हुई है और यह सब कुछ इसलिए संभव हो पा रहा है क्योंकि पार्टी अब खुलकर अपने विचारों को सामने रखकर लोगों से खुद के साथ आने की अपील कर रही है,ऊर्जावान नेतृत्व के साथ पार्टी का लगातार हो रहा विस्तार अन्य दलों के लिए चिंता का भी विषय बना हुआ है,यदि ऐसा जारी रहा पार्टी तीसरा विकल्प बन सकती है और यह कहीं से जल्दबाजी वाला लेख नहीं है।

कटकोना में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन

केशरीनंदन परिवार की ओर से आयोजित किया गया शिविर,रायपुर के सबसे बड़े नेत्र अस्पताल के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा किया गया जांच

-संवाददाता-

कोरिया/कटकोना,13 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

केशरीनंदन परिवार की ओर से सेवा का संकल्प लेते हुए दिनांक 13 सितंबर 2025 दिन शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से सामुदायिक भवन, कटकोना कालरी, जिला कोरिया छत्तीसगढ़ में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर स्थानीय नागरिकों के नेत्र स्वास्थ्य जांच के लिए आयोजित किया। जिसमें प्रदेश के सबसे बड़े नेत्र अस्पताल गणेश विनायक आई हॉस्पिटल रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के द्वारा आधुनिक उपकरणों की सहायता से मरीजों की आंखों की जांच की गई।इस शिविर में मोतियाबिंद,दृष्टि दोष और अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं की जांच के साथ-साथ जरूरतमंदों को ऑपरेशन हेतु प्राथमिक पंजीकरण की सुविधा और नेत्रदान जागरूकता पर विशेष फोकस किया। केशरीनंदन परिवार के संयोजक व एचएमएस महामंत्री योगेंद्र मिश्रा ने बताया कि यह शिविर सेवा ही धर्म है की भावना से प्रेरित होकर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही केशरीनंदन परिवार का प्रमुख उद्देश्य है। सामाजिक सेवा और जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए केशरीनंदन परिवार ने एक दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर के आयोजन का कार्यक्रम रखा है और सभी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर निशुल्क नेत्र जांच शिविर में आकर उन्नत तकनीक का लाभ लेते हुए शिविर का फायदा लें की अपील किया गया था जिस पर कई लोग वह पहुचे।

गणेश विनायक आई हॉस्पिटल,रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के किया जांच

केशरीनंदन परिवार के सौजन्य से दिनांक 13 सितम्बर 2025 को सामुदायिक भवन, काटकोना में एक निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में गणेश विनायक आई हॉस्पिटल, रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने भाग लिया और क्षेत्रीय नागरिकों को नेत्र स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं परीक्षण की सुविधा प्रदान की। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित हुए,जिनमें वरिष्ठ नागरिक,महिलाएं एवं युवा शामिल थे। चिकित्सकों द्वारा मोतियाबिंद, दृष्टि दोष, नेत्र संक्रमण आदि की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार आगे के उपचार हेतु मार्गदर्शन भी दिया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं प्राथमिक स्तर पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना था। केशरीनंदन द्वारा इस प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

ये थे उपस्थित...

आयोजन मे कटकोना सब एरिया मैनेजर सुरेश राम, खान प्रबंधक एच. एन. चौबे, कार्मिक प्रबंधक कटकोना जॉन डूंगडूंग, गणेश विनायक हॉस्पिटल से डॉ रामकृष्ण द्विवेदी, डॉ वाई रिची, गोलू तिवारी, अरमान हाथगेन हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य मिथिलेश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, कमलेश गुप्ता व केशरीनंदन परिवार के संयोजक योगेंद्र मिश्रा सहित अभिषेक द्विवेदी, रामप्रकाश तिवारी,राजकुमार यादव,भोला चक्रधारी,रानू वर्मा,जय कुमार चक्रधारी,प्रवीण गुप्ता,देवेंद्र जायसवाल,तीरथ साहू,दीपक कुशवाहा, शिव यादव,राजीव घोष,करन राजवाड़े,संदीप कुमार,आनंद राजवाड़े, सिब्बू मिश्रा, विजय बघेल, जीतू साहू,गोपाल यादव,भानु प्रताप सिंह,समीर जायसवाल, मूलचंद सूर्यवंशी,राजेश कुमार उपस्थित रहे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

P.H.E. DIVISION SURAJPUR,DISTT-SURAJPUR (C.G.)

NIT No./ 09 /SAC/EE/ PHED/ 2025 Surajpur, Date - 04/09/2025

SHORT TENDER NOTICE

Separate sealed tender in form "C" are invited on behalf of Governor of Chhattishgarh for Supply, Installation & ommissioning of Spare parts/materials for following units from the manufacturers or authorized dealers and reputed firms.

S. No	Particulars	Probable Amount Of Contract (In Lac.)	Last Date of Application for issue of Tender Form
1	2	3	4
1	Supply of Jyoti make Verticle Turbine Pump spare parts including Replacement of essential spares with genuine spare parts in WTP plant har-ratikara-I MVS	10.40 Lac.	22.09.2025

Other information related to work can be seen in Office of the undersigned up to date.

Ro. No.-252603442/3

Executive Engineer
Public Health Engineering
Division Surajpur (C.G.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0/ब-121/2024 - 25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधेश्याम आ0स्व0 रामकुबेर व अन्य निवासी ओल्ड डीएम क्यू क्वार्टर नंबर 266 ब्लॉक नंबर 34 कुम्दा कॉलोनी गोविन्दपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित खसरा नंबर 1/18 रकबा 0.016 हे0 भूमि को अनावेदक अभय कुसार साहू आ0 मुखलाल साहू निवासी वार्ड क्रमांक 38 दर्रीपारा हनुमान मंदिर के पास, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्री करने का सौदा तयं कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 29.09.2025 के पूर्व स्वम् अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 09/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र01408/ब-121/2024
सूरजपुर दिनांक 28/8/2025

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम देव सिंह आ. रामबाई जाति गोड निवासी ग्राम पतरापारा प0ह0न0...तहसील सूरजपुर जिला सूरपजुर (छ.ग.) ने अपने मृत्यु/जन्म दिनांक 27/09/2022 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24/9/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/9/2025 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार
तहसील सरजपुर
(छ.ग.) जिला सूरजपुर

नायब तहसीलदार सूरजपुर-1 जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

आगामी तिथि 25/07/2025

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/ संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती गीता सिंह निवासी ग्राम केतका, तहसील व जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम केतका, प.ह.नं. 13, रा.नि.मं. पचिरा, तहसील सूरजपुर स्थित खसरा नम्बर 769/1, 769 / 2 में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को पेट्रोल पम्प स्थापित करने के लिए प्रस्तावित कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है ।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 25/09/2025, को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 09/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार
सरजपुर
जिला-सूरजपुर, (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 202507263100001 /अ-21 (4)/2024-25

ईश्तहार

आम जनता ग्राम कल्याणपुर को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अनुराग शर्मा आ0 सुरेन्द्र शर्मा जाति ब्राम्हण निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने खाते की भूमि ग्राम कल्याणपुर स्थित भूमि ख0न0 218 रकबा 011 हे0 भूमि जो शासन से प्राप्त भूमि है को संतोष कुमार जायसवाल आ0 बासूदेव प्रसाद जायसवाल, सतेन्द्र कुमार दुबे आ0 योगेन्द्र दुबे, व गिरिजा प्रसाद आ0 रामकरण जायसवाल उक्त तिनो अनावेदकों के पास विक्रय किये जाने हेतु अनुमति प्रदाय किये जाने हेतु न्यायालय श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किये जाने पर इस न्यायालय को जॉच प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने हेतु प्राप्त हुआ है। जिस पर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है। अतः इस सम्बंध मे जिस किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप प्रकरण मे नियत सुनवाई तिथि 22/03/2025 को दिन के 11.00 बजे अधोहस्ता क्षरकर्ता के न्यायालय मे वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना आक्षेप प्रस्तुत कर सकता है। नियत समय के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जावेगा और कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनॉक 29/08/2025 पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार
तहसील-लटोरी,सरजपुर

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम.**उपेन्द्र कुमार सखवार** पिता तोता राम सखवार अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम.**उपेन्द्र सिंह सखवार** पिता/पति. तोता राम सखवार निवासी पता. मकान नंबर 45 वार्ड नंबर 03 ओडगी जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़! रखलिया हूँ अतःअब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम. **उपेन्द्र सिंह सखवार** पिता तोता राम सखवार से जाना एवं पहचाना जाय।

शपथकर्ता

नाम उपेन्द्र कुमार सखवार
पता.मकान नंबर 45 वार्ड नंबर 03 ओडगी जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

Name Change

I Upendra Kumar Sakhwar, S/O **Tota Ram Sakhwar**,resident of Vill-Odgi, District- Surajpur C.G. hereby declare that I have changed my name from OLD NAME **Upendra Kumar Sakhwar** S/o Tota Ram Sakhwar to NEW NAME Upendra Singh Sakhwar S/O Tota Ram Sakhwar in all the Government - approved Identity proofs to be used for various purposes in the future.

Deponent

Name:- Upendra Kumar Sakhwar
Address:- Odgi Distt- Surajpur (C.G)

किस के पैरवी पर तहसीलदार संजय राठौर को बिना विभागीय जांच पूर्ण किए बैकुंठपुर में पदस्थ किया गया ?

- सूरजपुर कलेक्टर ने जांच प्रतिवेदन के साथ दोषी मानते हुए सरगुजा संभाग आयुक्त को कार्यवाही के लिए किया था अनुशंसित,आज तक कार्यवाही से कैसे बचे हुए हैं तहसीलदार संजय राठौर ?
- क्या संजय राठौर की विभागीय जांच में सारे सबूत होने के बाद भी जल्द हो पाएगी या फिर ठंडे बस्ते में डालकर उन्हें लाभ पहुंचाया जाएगा ?
- संजय राठौर को बिना विभागीय जांच पूरा किए ही कोरिया जिले के लिए आखिर स्थानांतरित क्यों किया गया ?
- संजय राठौर भैयाथान तहसील कार्यालय में पदस्थ रह सकें इसके लिए हाईकोर्ट की भी उन्होंने ली थी शरण, लेकिन नहीं मिली राहत ?
- प्रमोशन से डिप्टी कलेक्टर बनने वाले थे और उससे पहले ही आई शिकायत और आ गई... पाए गए दोषी।
- संजय राठौर काफी रसूखदार तहसीलदारों में से एक माने जाते हैं,यही वजह है कि उन्हें बलरामपुर से कोरिया जिले के लिए भेजा गया जिससे सूरजपुर की जांच को वह प्रभावित कर सकें ?
- क्या संभाग आयुक्त निष्पक्ष तरीके से संजय राठौर के विरुद्ध जारी विभागीय जांच जल्द से जल्द पूरी कर पाएंगे,या फिर उन्हें क्लीन चिट देंगे ?

-ओकार पाण्डेय-

सूरजपुर,13 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

राजस्व विभाग में दोषपूर्ण कार्यवाही करने वाले अधिकारी को संरक्षण मिलना ही इस बात का तरफ इशारा करता है कि राजस्व विभाग से ईमानदारी की उम्मीद नहीं की जा सकती, ईमानदारी से राजस्व विभाग में काम हो जाए यह अब सपना सा लगने लगा है, यह इसलिए होने लगा है क्योंकि राजस्व विभाग भू माफिया व नेताओं के भरोसे व भ्रष्ट अधिकारियों के भरोसे चलने लगा है, उन्हीं के ऊपर पूरा दारोमदार है वहीं अब सत्ता में आसीन सरकारें भी उन्हीं पर आश्रित हो गई हैं, अब ईमानदार अधिकारी कार्यालय में दिखते नहीं और बेईमान की तो फौज खड़ी

हो चुकी है ,इसका जीता जागता उदाहरण कुछ महीने पहले सूरजपुर के भैयाथान तहसीलदार संजय राठौर का लिया जा सकता है, यह अधिकारी इतना भ्रष्ट था कि पैसे कमाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार था ,दस्तावेज छेड़छाड़ करने तक को तैयार था ,इस इस बात का भी डर नहीं था कि पकड़े जाने पर इसके ऊपर कोई बड़ी कार्रवाई हो सकती है, फर्जी तरीके से जमीन नामांतरण मामले में शिकायत हुई अपनी पत्नी के नाम पर जमीन खरीदा और सूरजपुर से दोषी पाए जाने पर कलेक्टर ने संभाग आयुक्त को कार्यवाही के लिए प्रेषित किया पर कार्यवाही तो हुई नहीं उल्टा ढाई महीने में ही बलरामपुर में संलग्न किए गए संजय राठौर को कोरिया जिले मतलब कि सूरजपुर जिले के पड़ोसी जिले कोरिया में पदस्थ कर दिया गया ताकि वहां से भैयाथान जाकर वह अपने कनिष्ठ तहसीलदार की मिली भगत से अपने प्रकरण में सुधार कर सके ऐसा सूत्रों का दावा है और जांच प्रभावित हो सके, पर सवाल यह उठता है कि आखिर इनकी पहुंच व पकड़ कितनी थी कि अधिकारी कार्यवाही करना तो दूर उनकी विभागीय जांच भी कछुए की चाल में कर रहे हैं ऐसा लग रहा है कि किसी बड़े नेता के दबाव में अधिकारी ने संभाग आयुक्त को मना कर रखा हो कि संजय राठौर पर कार्यवाही ना की जाए? यदि वर्तमान सत्ता में भी भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण मिल रहा है तो फिर यह कहना गलत नहीं होगा कि भ्रष्ट अधिकारियों का ही छत्तीसगढ़ में बोलबाला है। वहीं सरकार सुशासन की बात लगातार कर भी रही है जिसे ऐसे तहसीलदार झूठ साबित कर रहे हैं।

क्या विभागीय जांच जल्द पूरी होगी, क्या दोषी पाए जाने पर सरगुजा कमिश्नर कार्रवाई कर पाएंगे ?

भैयाथान तहसीलदार रहते हुए संजय राठौर ने काफी कुछ ऐसा किया जो एक बड़ा भ्रष्टाचार था,तहसीलदार संजय राठौर ने भैयाथान में एक जमीन मामले में पक्ष में फैसला सुनाने जमीन में से ही हिस्से का समझौता किया और प्रकरण पक्ष में निराकृत कर अपनी पत्नी के नाम से जमीन पंजीकृत भी करा लिया,मामले में दूसरे या हारे हुए पक्षकार ने शिकायत की और प्रथम दृष्ट्या आरोप सही साबित हुए और कलेक्टर सूरजपुर ने मामले में अग्रिम कार्यवाही के लिए संभाग आयुक्त को मामला प्रेषित किया, संभागायुक्त ने भी दोषी मानते हुए निलंबित किया और बलरामपुर में संलग्न कर निलंबित कर दिया।इस बीच उन्होंने काफी कुछ हांथ पैर मारने का प्रयास किया और अपनी ऊंची पकड़ साबित करते हुए धीरे से अपनी पदस्थापना अपनी बहाली के साथ कोरिया जिले के लिए करा ली,कोरिया जिला इसलिए क्योंकि भैयाथान से यह जिला लगा हुआ है वहीं कोरिया जिले के भी बैकुंठपुर तहसील में इन्होंने कनिष्ठ के साथ इसलिए अधीन उसके रहकर कार्य करना स्वीकार किया क्योंकि बिल्कुल समीप के तहसील भैयाथान यह आसानी से जा सके और वहां से संबंधित जांच जिस मामले में निलंबित हुए थे उसे प्रभावित कर सकें और खुद को बचा सकें। वैसे संजय राठौर दोषी पाए जा चुके हैं प्रथम दृष्ट्या और अब जांच कमिश्नर कार्यालय द्वारा कराया जाकर कार्यवाही की जानी है,वैसे अब देखना है कि क्या कमिश्नर सरगुजा मामले में दोषी पाए जाने पर ऑफ और जांच जल्द पूर्ण कर कार्यवाही भी जल्द करते हैं या तहसीलदार संजय राठौर को उनकी ऊंची पहुंच पकड़ के आधार पर या तो अभयदान देते हैं या जांच को ही आगे टालते रहते हैं और बचे रहने का उसे मौका देते हैं।

ढाई महीने में बिल्कुल बगल के तहसील जिले में वापसी कितनी पकड़ है तहसीलदार संजय राठौर की ?

संजय राठौर बड़ी अनियमितता साबित होने पर निलंबित किए गए थे,यह अनियमितता जमीन विवाद में एकपक्षीय फैसला देने और लाभ उद्देश्य से फैसला लेने की वजह से की गई थी,निलंबन अवधि में संभाग आयुक्त ने इन्हें बलरामपुर संलग्न कर रखा था,संजय राठौर बलरामपुर से कोरिया जिला दो महीने में ही पहुंच गए और जिला मुख्यालय में वह पदस्थापना भी पा गए,वैसे संजय राठौर की पकड़ का अंदाजा इसी बात से लग जाता है की वह भैयाथान से सटी तहसील में बतौर अतिरिक्त तहसीलदार पदस्थ हो गए और उन्होंने कनिष्ठ के अधीन काम करना स्वीकार भी कर लिया, ऐसा करने के पीछे की मंशा यह बताई जाती है कि अपने निलंबन जो भैयाथान तहसील के एक मामले से हुआ है और जिसमे बड़ी कार्यवाही हो सकती है से बचने यह जुगाड़ उन्होंने लगाया है और कोरिया जिले के बैकुंठपुर तहसील पहुंचे हैं जहां से भैयाथान जाना आना आसान होगा और वह मामले में अपने प्रभाव कायम कर सकेंगे।

भैयाथान तहसील कार्यालय से बैकुंठपुर तहसील कार्यालय आना-जाना संजय राठौर के लिए आसान होगा,दस्तावेज छेड़छाड़ करना आसान होगा ?

सूरजपुर जिले का भैयाथान तहसील और कोरिया जिले का बैकुंठपुर तहसील,इन दोनों तहसीलों के बीच दूरी 35 किमी की है और संजय राठौर बैकुंठपुर के अतिरिक्त तहसीलदार बनाए गए हैं जो उनकी ही पसंद और मांग बताई जाती है के हिसाब से भी उन्हें भैयाथान आने जाने में समय अभाव जैसे विषय कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। बड़ी आसानी से जब मन तब वह भैयाथान जा आ सकेंगे और वहां जाकर अपने मामले की जांच में जो तथ्य उन्हें दोषी साबित कर सकते हैं उन्हें मिटा सकते हैं या प्रभावित कर सकते हैं। संजय राठौर का निलंबन और उनका बलरामपुर संलग्नीकरण भैयाथान तहसील की ही एक गड़बड़ी का कारण है और जिसमें वह दोषी प्रथम दृष्ट्या पाए गए हैं और वह पूर्ण रूप से ही दोषी जांच में न साबित हो जाएं इसलिए वह बिल्कुल बगल की तहसील में जुगाड से आए हैं। संजय राठौर भैयाथान केवल 35 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंच जायेंगे और अतिरिक्त तहसीलदार बतौर कम जिम्मेदारी उन्होंने इसलिए ही स्वीकार की है कि वह ज्यादा समय अपने विरुद्ध होने वाली जांच को प्रभावित करने में लगा सकें।

संजय राठौर भ्रष्ट अधिकारी हैं इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि इनकी एक वॉयस रिकॉर्डिंग दैनिक घटती-घटना के पास है...

संजय राठौर भ्रष्ट एक अधिकारी हैं यह इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि ऐसा कहने के पीछे एक मजबूत कारण है,संजय राठौर कैसे भ्रष्टाचार में डूबे हुए थे पैसे लेनदेन को लेकर कितने यह खुलकर बात करते थे बिना हिचक बिना शर्म यह साबित करने दैनिक घटती-घटना के पास एक वॉयस रिकॉर्डिंग है,रिश्वत या भ्रष्टाचार के लिए लिए गए पैसे को न लौटाना पड़े और उन्हें पैसा अपने पास ही रखने की छूट मिल जाए पैसा देने वाला बिना काम हुए ही पैसा भूल जाए यह समझाते हुए उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित है,वैसे शर्म की बात है कि एक अधिकारी चंद पैसे के लिए कैसे बातें बना रहा है फुसला रहा है पैसा देने वाले को और जिसने पैसा किसी ऐसे काम के लिए दिया है जो काम होना बिना पैसों के चाहिए जिसके लिए ही अधिकारी नियुक्त हैं लेकिन हो नहीं रहा है क्योंकि अधिकारियों को वेतन से अतिरिक्त की आदत लगी हुई है और यह आदत उन्हें भिखारी जैसी याचना से भी परहेज से नहीं बचा रहा है।

भैयाथान के वर्तमान तहसीलदार क्या संजय राठौर की मदद कर रहे हैं ?

भैयाथान तहसील के वर्तमान तहसीलदार क्या संजय राठौर की मदद कर रहे हैं,संजय राठौर का कोरिया जिले ही आना और बैकुंठपुर तहसील में अतिरिक्त तहसीलदार की जिम्मेदारी स्वीकार करना जबकि बैकुंठपुर तहसीलदार से वह वरिष्ठ हैं यह एक उनकी मंशा साबित करता है कि वह अतिरिक्त जैसे पद के साथ अधिक समय खाली रहेंगे समय होगा उनके पास और वह इस समय को भैयाथान तहसील पहुंचकर व्यतीत कर पाएंगे और अपने मामले की जांच प्रभावित कर सकेंगे। वैसे भैयाथान के वर्तमान तहसीलदार क्या उनकी मदद करने वाले हैं यह बड़ा सवाल है,वैसे दोषी पाए जाने कार्यवाही होने पर संजय राठौर ने अपने संघ को सामने किया था और मामले में कार्यवाही को ही गलत साबित करने दबाव बनाया था,क्या सब कुछ संघ संगठन के निर्देश पर तय हो रहा है जिसमें एक दूसरे की मदद की अपील जैसा विषय है। वैसे सूत्रों की माने तो भैयाथान तहसीलदार और संजय राठौर के बीच लगातार संपर्क हो रहा है,दोनों संपर्क कर कुछ न कुछ खिचड़ी पका रहे हैं सूत्रों का दावा है,अब इन बातों की सच्चाई तो स्पष्ट नहीं है लेकिन यदि ऐसा है तो फिर यह कहना कि भ्रष्टाचार के हांथ लम्बे और मजबूत हैं गलत नहीं होगा और कार्यवाही शून्य हो जायेगी यह भी तय है।

सूरजपुर कलेक्टर ने दो मामले में संजय राठौर को पाया दोषी और कार्यवाही की उसमें की अनुशंसा

संजय राठौर तहसीलदार भ्रष्टाचार मामले में सूरजपुर कलेक्टर ने दो मामलों में संजय राठौर को दोषी पाया है और उन्होंने कार्यवाही की अनुशंसा के साथ कार्यवाही आगे बढ़ा दी है,संजय राठौर अब सूरजपुर जिले के बगल के जिले से यह प्रयास कर रहे हैं कि सभी मामले में उन्हें राहत मिले जिसके लिए वह यहां से आ जाकर तथ्य प्रभावित करने में लगे हुए हैं।

जिस अधिकारी पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश देना चाहिए उसे विभागीय जांच में लटका कर बचाने का प्रयास जैसा प्रयास तो नहीं ?

तहसीलदार संजय राठौर पर भैयाथान तहसील में पदस्थ रहने के दौरान कई भ्रष्टाचार के आरोप लगे एक आरोप तो ऐसा भी सामने आया जिसमें वह आरोपी प्रथम दृष्ट्या ही साबित हुए निलंबित भी किए गए लेकिन उन्हें पुनः बहाल कर कोरिया जिले के जिला मुख्यालय उनकी मंशा अनुसार भेज दिया गया। अब इस मामले में यह सवाल है कि क्या ऐसा उसे बचाने के लिए किया जा रहा है, निलंबन जब तत्काल किया गया तब उसे पुलिस प्राथमिकी से क्यों बचाया गया, क्यों नहीं प्राथमिकी दर्ज कराकर उसे कानून से दंडित कराने का प्रयास किया गया,जब आरोप प्रथम दृष्टि में ही साबित हुए और निलंबन हुआ क्यों फिर दोबारा जांच की आवश्यकता आन पड़ी क्यों नहीं प्रथम जांच के आधार पर कार्यवाही जो कि गई थी उसे स्थाई रखा गया,वैसे क्या संजय राठौर को बचाने के लिए ही जांच संस्थित की गई है जिससे मामला धीरे धीरे समाप्त किया जा सके और लोग मामले को भुला बैठें, वैसे संजय राठौर के मामले में उसे कोरिया जिले के बैकुंठपुर तहसील भेजकर भी जांच से बचने में सहयोग ही प्रदान करने का प्रयास किया गया यह भी अब सवाल उठ रहे हैं।

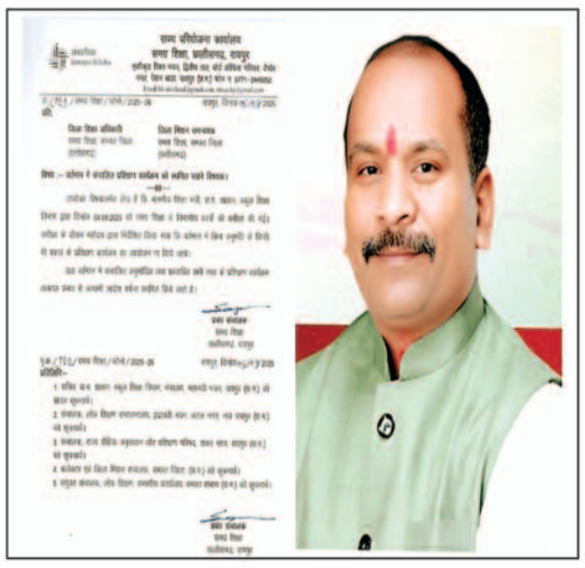

पूर्व विधायक की शिकायत पर कार्रवाई... प्रदेश भर में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर लगी रोक

-संवाददाता-

एमसीबी,13 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कुछ दिनों पूर्व मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्टेप फॉर इंडिया नामक बेंगलुरु के एनजीओ द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने का मामला सामने आया था। पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने इस पर गंभीर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया था कि अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं,भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और नियमों को ताक पर रखकर शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने एससीईआरटी के डायरेक्टर रघुवंशी जी और एनजीओ प्रभारी वर्मा जी से तत्काल जांच की मांग की थी। पूर्व विधायक ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि प्रदेश में जब एनजीओ के अनुबंध रद्द हो चुके हैं, तब किसकी शह पर नियमों का उल्लंघन कर प्रशिक्षण कराया जा रहा है,इसका जवाब जिला प्रशासन को देना होगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने संज्ञान लिया। इसके बाद समग्र शिक्षा विभाग, रायपुर ने आदेश जारी कर पूरे प्रदेश में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर रोक लगा दी है। आदेश में कहा गया है कि बिना अनुमति शिक्षकों के प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया जाएंगे,अन्यथा जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होगी। इस कार्रवाई के बाद साफ हो गया है कि पूर्व विधायक की शिकायत से शासन-प्रशासन जाग गया और नियमों की अनदेखी पर अब प्रदेश स्तर पर रोक लगा दी गई है।

क्राइम थ्रिलर 'खारून पार' की 12 सितंबर को सिनेमाघरों में हुई रिलीज,धमाकेदार शुरुआत की उम्मीद

छत्तीसगढ़ के दर्शकों को मिलेगा नए रंग का अनुभव,12 सितंबर को सिनेमाघरों में धमाका तय

-संवाददाता-

अंबिकापुर,13 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सिनेप्रेमियों के लिए इस साल का सबसे बड़ा तोहफा आने वाला है। 12 सितंबर को छत्तीसगढ़ के सिनेमाघरों में एक दमदार क्राइम थ्रिलर फिल्म 'खारून पार' रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को लेकर प्रदेशभर में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, क्योंकि यह छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री में क्राइम थ्रिलर शैली की नई शुरुआत मानी जा रही है। लंबे समय से प्रेम कहानियों और पारिवारिक ड्रामों तक सिमटी छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री अब थ्रिल, सस्पेंस और सच्ची घटनाओं की ओर एक नया कदम बढ़ा रही है।

फिल्म 'खारून पार' का निर्माण इनसाइड मी ओरिजनल्स बैनर के तहत किया गया है। इनसाइड मी ओरिजनल्स ने इससे पहले छत्तीसगढ़ की सबसे चर्चित वेब सीरीज सरकारी अफसर बनाई थी, जिसे यूट्यूब पर लाखों दर्शकों ने देखा था। इस बार भी उन्होंने दर्शकों को कुछ नया और रोमांचक देने का प्रयास किया है।

फिल्म की कहानी रायपुर की प्रसिद्ध खारून नदी और महादेव घाट के रहस्यमय वातावरण पर आधारित है, जो एक सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर यात्रा का वादा करती है।

फिल्म के निर्माता और मेकर्स अंबिकापुर के युवा ऋषि श्रीवास्तव,विवेक कुमार,ऋत्विक सिन्हा, निर्देश शर्मा,गरिमा सिंह और अभिषेक कुमार। ये सभी युवा प्रतिभाशाली फिल्ममेकर हैं, जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और अब छत्तीसगढ़ की पहचान बढ़ाने के लिए जी-जान से मेहनत कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म की पूरी टीम स्टारकास्ट से लेकर क्रू मेंबर्स तक ङ्क युवा हैं, जो अपने जोश और नए आइडियाज से छत्तीसगढ़ी सिनेमा को नया आयाम देने का लक्ष्य रखते हैं।

फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण है इसका कहानी...केंद्रित नरेटिव

पारंपरिक प्रेम कथाओं से हटकर खारून पार सस्पेंस,अपराध और मनोवैज्ञानिक तत्वों से भरपूर एक नई कहानी प्रस्तुत करती है। क्रांति दीक्षित द्वारा निभाया गया नकारात्मक किरदार दर्शकों के दिल में उतरने का दावा करता है। इसके साथ ही फिल्म महादेव घाट जैसे रहस्यमय लोकेशनों पर शूट की गई है, जो कहानी में और भी गहराई भरती है। शूटिंग के दौरान स्थानीय वातावरण का भरपूर उपयोग किया गया है, जिससे छत्तीसगढ़ की खूबसूरत लेकिन रहस्यमयी छवि को भी पर्दे पर प्रस्तुत किया गया है।

यंग स्टार कास्ट और नयी कहानियों का मेल है...

फिल्म में उठाए गए सवालों में से एक यह है कि क्या 'खारून पार' किसी सच्ची घटना पर आधारित है? मेकर्स ने अभी इस पर खुलासा नहीं किया है, जिससे दर्शकों में और भी उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि,फिल्म में दिखाए गए घटनाक्रम और चित्रों की गहराई इस बात की ओर इशारा करती है कि कहानी वास्तविक घटनाओं से प्रेरित हो सकती है। फिल्म के रिलीज होते ही यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि छत्तीसगढ़ी दर्शक इसे किस नजरिए से लेते हैं। खासकर युवा वर्ग के लिए यह एक नया अनुभव है,क्योंकि यह पूरी तरह से यंग स्टार कास्ट और नयी कहानियों का मेल है। उद्योग विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि 'खारून पार' सफल होती है,तो यह छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री में क्राइम थ्रिलर का नया दौर शुरू कर सकती है।

12 सितंबर से सिनेमाघरों में धमाका मचाने की उम्मीद

'खारून पार' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के सिनेमा प्रेमियों के लिए उम्मीदों से भरी एक नई कहानी है, जो एक अलग रंग में प्रदेश की सिनेमा परंपरा को सजाने का प्रयास करती है। 12 सितंबर को सिनेमाघरों में धमाका तय है।

CMYK

सुभाष घई पर करियर बर्बाद का आरोप लगाया,रोड एक्सीडेंट से चेहरे में घुसे कांच के 67 टुकड़े : महिमा चौधरी

महिमा चौधरी बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं...वह कम उम्र से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखती थीं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की। महिमा को पहला एड आमिर खान और ऐश्वर्या राय के साथ मिला। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने शुरुआत में ठुकरा दिए। आखिरकार,उन्होंने सुभाष घई की फिल्म परदेस से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जो एक बड़ी हिट साबित हुई। महिमा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहीं। उन्होंने साल 2006 में शादी की, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सका और 2013 में उनका तलाक हो गया।

मॉडलिंग के लिए पढ़ाई छोड़ी मिस दार्जिलिंग का खिताब जीता

महिमा चौधरी का जन्म 13 सितंबर 1973 को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुआ था। उनके पिता जाट परिवार से थे, जबकि उनकी मां नेपाली थीं। महिमा उनकी इकलौती संतान थीं। महिमा स्पोर्ट्स में बहुत अच्छी थीं। पिता को लगता था कि वो बड़ी होकर स्पोर्ट्स पर्सन या आर्मी में जाएंगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 16-17 साल की उम्र में महिमा का मन फिल्मों में लगने लगा। हाई स्कूल तक की पढ़ाई दार्जिलिंग के कुर्सियांग स्थित डॉव हिल स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने दार्जिलिंग के लोरेटो कॉन्वेंट कॉलेज में ग्रेजुएशन में एडमिशन लिया। लेकिन 1990 में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। इसके साथ ही उन्होंने एक स्थानीय सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लिया और 'मिस दार्जिलिंग' का खिताब भी जीता। महिमा के इस फैसले से उनके पिता नाराज रहे और उनसे लगभग 1 साल तक बात नहीं की। हालांकि मां ने पूरा सपोर्ट किया।

सुभाष घई की पड़ी नजर बन गईं परदेस की हीरोइन

एड के बाद महिमा ने वीडियो जॉकी के तौर पर चैनल वी के लिए काम किया। वह इस चैनल के लोकप्रिय शो पब्लिक डिमांड को बतौर वीजे होस्ट करती थीं। एक ऐसे ही कार्यक्रम के दौरान जब महिमा शो को होस्ट कर रही थीं, फिल्म निर्माता सुभाष घई भी वहां मौजूद थे। उन दिनों वह अपनी अगली फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश कर रहे थे, जिसके लिए उन्होंने 3000 से अधिक लड़कियों के ऑडिशन लिए थे। हालांकि महिमा को देखते ही उनकी तलाश पूरी हो गई। इसके बाद उन्होंने महिमा को फिल्म परदेस का ऑफर दे दिया। यहीं से महिमा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की। पहली ही फिल्म में महिमा की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा। वह न सिर्फ रातों-रात स्टार बन गईं,बल्कि उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला।

रोड एक्सीडेंट से चेहरा बिगड़ा ग्लास के 67 टुकड़े चेहरे से निकाले गए

1999 में रिलीज हुई फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के दौरान महिमा चौधरी का भयानक रोड एक्सीडेंट हुआ था। यह हादसा उनकी जिंदगी का एक ऐसा मोड़ साबित हुआ, जिसने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से झकझोर कर रख दिया। पिंकविला से बातचीत में महिमा ने बताया था, मैं प्रकाश झा के साथ अजय देवगन प्रोडक्शन की फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग कर रही थीं। शूटिंग का लास्ट दिन बचा था। मैं होटल से शूटिंग लोकेशन के लिए निकली थीं, तभी गलत डायरेक्शन से आ रहे दूध के टैंकर से लदे ट्रक ने मेरी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कांच के टुकड़े गोलियों की रफ्तार से उनके चेहरे पर जा लगे। घटना के तुरंत बाद ही मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने के कुछ समय बाद सबसे पहली मेरी मां और अजय देवगन पहुंचे थे। मेरी सर्जरी हुई, जिसमें कांच के 67 टुकड़े चेहरे से निकाले गए। डॉक्टर ने मुझे सलाह दी थी कि मैं शीशे में अपना चेहरा न देखूं। इस हादसे से मैं पूरी तरह से टूट गई थी। मुझे डर सताने लगा था कि इस कारण मेरा करियर खराब हो जाएगा। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। खुद को संभाला और वापसी की। इसके बाद न केवल दिल क्या करे की शूटिंग पूरी की, बल्कि इसके बाद धड़कन, बागबान जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में भी दमदार अभिनय किया।

सुभाष घई पर लगाया करियर बर्बाद करने का आरोप

महिमा ने शाहरुख खान के अपोजिट फिल्म परदेस से डेब्यू किया था। वहीं,फिल्म की रिलीज के लगभग 23 साल बाद महिमा चौधरी ने डायरेक्टर सुभाष घई पर करियर बर्बाद करने का आरोप लगाया था। बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में महिमा ने बताया कि साल 1998 या 1999 में ट्रेड गाइड मैगजीन में सुभाष घई ने उनकी फोटो के साथ विज्ञापन दिया था, जिसमें लिखा था कि महिमा के साथ जो भी काम करना चाहता है उसे सुभाष घई से कॉन्टैक्ट करना होगा। इस विज्ञापन में दावा किया गया था कि महिमा ने घई के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया है। इसलिए बिना इजाजत वह किसी अन्य प्रोड्यूसर या डायरेक्टर के साथ काम नहीं कर सकती हैं। हालांकि महिमा ने इंटरव्यू में बताया था, मैंने कभी सुभाष घई के साथ ऐसा कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं किया था, लेकिन फिर भी उन्होंने मुझे काफी परेशान किया था। वे मुझे कोर्ट तक ले गए और मेरा पहला शो कैंसिल करवाना चाहते थे। यह सब मेरे लिए बेहद तनावपूर्ण था। उन्होंने सभी प्रोड्यूसर्स को मैसेज भेजा कि कोई भी मेरे साथ काम न करे। उस मुश्किल दौर में मेरे साथ सिर्फ सलमान खान, संजय दत्त, डेविड धवन और राजकुमार संतोषी थे। महिमा ने यह भी बताया कि राम गोपाल वर्मा ने उन्हें फिल्म सत्या के लिए साइन किया था और उन्होंने साइनिंग अमाउंट भी ले लिया था, लेकिन शूटिंग शुरू होने से दो दिन पहले उन्हें बिना कोई सूचना दिए फिल्म से निकाल दिया गया। यह सब बातें उन्हें प्रेस से पता चलीं कि उनकी जगह उर्मिला मातोंडकर को ले लिया गया है।

आमिर खान और ऐश्वर्या राय के साथ एड में आईं नजर

मॉडलिंग के साथ-साथ महिमा ने एड में भी काम पाने की कोशिश शुरू कर दी थी। इसी दौरान उन्हें पेप्सी के एक विज्ञापन में काम करने का मौका मिला, जिसका ऑडिशन दिल्ली में हुआ था। इस विज्ञापन में उनके साथ आमिर खान और ऐश्वर्या राय भी थे, जिन्हें मुंबई से चुना गया था। यह महिमा का पहला विज्ञापन था, जो साल 1995 में आया था। यह उस समय के सबसे फेमस विज्ञापनों में से एक था और हर क्रिकेट मैच के दौरान इसे दिखाया जाता था। इस एड के बाद महिमा को फिल्मों के ऑफर मिलने लगे, लेकिन उन्होंने तुरंत फिल्मों में कदम नहीं रखा। उस समय उन्हें खुद पर उतना आत्मविश्वास नहीं था, इसलिए उन्होंने पहले अपने अनुभव और पहचान को बढ़ाने के लिए कई कॉमर्शियल एड किए।

तान्या मित्तल के कथित एक्स- बॉयफ्रेंड बलराज सिंह गिरफ्तार

मुंबई एयरपोर्ट से हुई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की गिरफ्तारी

बिग बॉस कंटेस्टेंट तान्या मित्तल के कथित एक्स बॉयफ्रेंड और यूट्यूबर बलराज सिंह को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई एयरपोर्ट पर बलराज की गिरफ्तारी हुई। दैनिक भास्कर को मिली जानकारी के मुताबिक धर्म विशेष पर बयान देने के चलते गोरेगांव वेस्ट पुलिस ने बलराज को गिरफ्तार किया है। दरअसल,एक्ट्रेस जोया खान जिन्होंने दावा किया था वह बलराज के साथ रिलेशनशिप में थीं ने हाल ही में एक ऑडियो क्लिप शेयर की थी, जिसमें बलराज और जोया के बीच धर्म विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर बहस हुई थी। जोया ने अपने इंस्टाग्राम वीडियो में यह भी बताया कि अब तक उन्होंने बलराज के खिलाफ लीगल एक्शन ले लिया है। वहीं,टेली टॉक से बातचीत में जोया खान ने भी यह दावा किया था कि बलराज ने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान किया,मौत की धमकियां दी

और उनके फोटोज का इस्तेमाल कर ब्लैकमेल किया। जोया ने कहा था कि बलराज ने शादी और धर्म परिवर्तन का वादा किया, लेकिन केवल अपने फायदे के लिए किया।

कौन हैं बलराज सिंह?

बलराज एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इंस्टाग्राम पर बलराज के 26 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसके अलावा, उनके यूट्यूब चैनल बलराज सिंह एंटरटेनमेंट के 82 हजार से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। बता दें कि तान्या मित्तल के बिग बॉस हाउस में जाने के बाद से बलराज लगातार उन पर बयान दे रहे हैं। उन्होंने तान्या को फेक कहा और आरोप लगाया था कि वह खुद को अमीर और पावरफुल दिखाती हैं,जबकि सच्चाई अलग है। बलराज ने तान्या मित्तल का एक्स बॉयफ्रेंड होने का दावा किया था,लेकिन तान्या ने बलराज के साथ अपने रिश्ते पर कभी सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। बलराज ने कहा था कि तान्या से उनकी ज्यादा समय तक नहीं चल पाई क्योंकि उन्हें फेक लोग बिल्कुल पसंद नहीं। बलराज के अनुसार, तान्या अक्सर दिखावे की बातें करती हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा था कि वह चांदी के बर्तनों में पानी पीने और सोने की थाली में खाना खाने जैसी बातें करती हैं, जबकि असल में साधारण बोतल और गिलास से भी पानी पीती रही हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि एक तरफ वह स्प्रिचुअलिटी की बातें करती हैं और दूसरी तरफ 4 बॉयफ्रेंड बनाने की बात करती हैं।

मेरा संघर्ष इम्पोर्टेड गाड़ी में है,महंगे कपड़े पहनकर भी स्ट्रगल का ढिंढोरा पीट रहा हूं : नील नितिन मुकेश

हाल ही में ये जुनून में नजर आए नील नितिन मुकेश पिछले दो दशक से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उनका मानना है कि अच्छी भूमिकाओं और लगातार काम मिलने का उनका संघर्ष आज भी जारी है, मगर वे हार मानने वालों में से नहीं हैं।

आपने पिछली बार कहा इंडस्ट्री की टॉक्सिसिटी पर भी बात की थी, आपको लगता कि खुद के लिए स्टैंड लेने के बाद आपको अच्छी भूमिकाएं मिल रही हैं?

देखिए, मैं डरने वालों में से नहीं हूं। पिछले बीस सालों से मैं काम किए जा रहा हूं, संघर्ष किए जा रहा हूं, तो ये तो मुझे कास्ट करने वाले निर्देशकों पर निर्भर करता है कि वे मुझे लें। मगर आज फिल्म मेकिंग बहुत बदल गया है। एक तरह से सेटिंग-सी हो गई है। मैं शिकायत नहीं कर रहा। मुझ में अभी भी जूझने की क्षमता है और मैं खुद को प्रतिभावान मानता हूं। मैं कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशकों के साथ काम कर चुका हूं, मगर मेरे मन में सवाल उठता है कि मैं खुद को कब तक साबित करता रहूं। मैं उमेश शुक्ला सरीखे निर्देशकों का आभार मानता हूं, जिन्होंने मुझे काम दिया। वरना जब आपकी एक फिल्म नहीं चलती, तब आप दो साल के लिए घर बैठ जाते हैं। मेरे पास वो बैंकिंग नहीं है, जहां पांच फिल्में फ्लॉप होने के बावजूद मुझे मेन लीड मिले। मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ती है। मेरी 6 साल की छोटी-सी बेटी है, मुझे उसकी परवरिश करनी है। घर पर मेरे माता-पिता और पत्नी भी है, तो अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को उठाने ले लिए मुझे कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मैं मेहनत से नहीं डरता, बस भगवान मेरा साथ दें, इंडस्ट्री दे, जो कि कहीं न कहीं इंडस्ट्री करती है।

आपने कभी करियर या जीवन में शॉर्टकट अपनाया है?

नहीं, शॉर्टकट अपनाया होता,तो मेरे संघर्ष की इतनी लंबी-लंबी कहानियां न कही जा रही होतीं। बहुत अच्छा लगता है, जब आप अपनी स्ट्रगल स्टोरीज सुनाते हैं,मगर मैं जहां से आता हूं, जैसे मेरे दादाजी (गायक मुकेश),पिताजी (गायक नितिन मुकेश) उनकी कहानियां असल संघर्ष की हैं। उनके संघर्ष का ग्लोरिफाइड वर्जन है। मेरा संघर्ष अब भी इम्पोर्टेड गाड़ी में है। मैं महंगे कपड़े पहनकर फिर भी अपने संघर्ष का ढिंढोरा पीट रहा हूं। मुझे नहीं लगता कि शॉर्टकट किसी भी तरह के संघर्ष को कम कर सकता है। जब आपका समय आएगा, तब कहीं न कहीं आपकी मेहनत भी चमक जाती है। मैं भी फिल्म लिखता हूं, उनका निर्माण करता हूं और कास्टिंग के समय मुझसे भी पूछा जाता है कि फलां एक्टर के साथ कोई बड़ा सरनेम जुड़ा हुआ है या नहीं? आपको इससे क्या फर्क पड़ता है, सरनेम क्या है? आप उस कलाकार की प्रतिभा पर शक कर रहे हैं।

आजकल बॉक्स ऑफिस अनिश्चितता के माहौल से गुजर रहा है। आप क्या कहना चाहेंगे?

निश्चित रूप से आज दर्शक बहुत स्मार्ट हो गया है। उसके पास मोबाइल है, जिसके जरिए उसकी पहुंच वर्ल्ड सिनेमा तक है। मगर साथ ही ये समझने वाली बात भी है कि महज एक हीरो, हीरोइन या फिर निर्देशक के बलबूते पर फिल्म चल सकती है। फिल्म के चलने में कई चीजों का योगदान होता है। मैंने कुछ बड़ी हिट फिल्में भी की हैं और कई ऐसी भी जो बिलकुल नहीं चली। ये तो मेरी लगातार लड़ाई रही है कि कोई भी भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि कौन-सी फिल्म चलेगी और कौन-सी नहीं, इसका कोई गणित नहीं है। आपको अपनी कन्विक्शन पर चलना होगा।

इंटरनेट के इस दौर में आप सोशल मीडिया को कैसे हैंडल करते हैं?

मै इसे लोगों तक अपने काम को पहुंचाने का जरिया मानता हूं। कई इसे लोगों से मिलता हूं, जिनके लिए मुझसे मिलना एक सपना है, मगर कई बार मैं गालियां भी खाता हूं कि ये तो फ्लॉप एक्टर है। जितना मैं इसे मजबूत मानता हूं, उतना कई बार मुझे ये भी लगता है कि इसका ओवरयूज हो रहा है। जैसे हर सोशल मीडिया में हैंडल लेकर चलने वाला समझता है कि मैं भी क्रिटिक बन जाऊं और फिल्म की आलोचना शुरू कर दूं।

खेल समाचार

एशिया कप 2025:भारत-पाकिस्तान के बीच होगा आज महामुकाबला

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2025। एशिया कप 2025 में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आज दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। सुपर-4 के लिए लिहाज से दोनों के लिए ये बेहद अहम मैच है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम इंडिया इस मैच को हर हाल में जीतना चाहेगी तो सलमान आगा के नेतृत्व वाली पाकिस्तान टीम भी पूरा जोर लगाएगी। ऐसे में क्रिकेट फैंस को एक फिर दोनों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। वहीं, भारतीय टीम मैनेजमेंट इस बड़े मुकाबले में एक बड़ा बदलाव कर सकता है।

बल्लेबाजी में बदलाव नहीं : यूएई के खिलाफ शुरुआती मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम में बदलाव देखा गया था। शुभमन गिल की ओपनिंग में वापसी पर संजू सैमसन को मध्यक्रम के

विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया गया। पिछले मैच की तरह टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ पांच बल्लेबाज अभिषेक, शुभमन, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और संजू के साथ उतरना पसंद करेगी। यूएई के खिलाफ टीम मैनेजमेंट ने तीन ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे को शामिल किया था, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ टीम को एक अनुभवी पेसर की जरुरत पड़ सकती है। ऐसे में भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशन विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह की प्लेइंग इलेवन में वापसी संभव है। अगर वह वापस आते हैं तो शिवम दुबे का पत्ता कटना तय है।

तीन पेसर और तीन स्पिनर के साथ उतर सकती है टीम

कुलदीप यादव ने टीम में जगह बनाते ही अपनी उपयोगिता साबित की है। ऐसे में वह दुबई के मैदान पर फिर से वरुण चक्रवर्ती का साथ देते नजर आएंगे। इस तरह भारतीय टीम के पास अक्षर पटेल समेत तीन स्पिन विकल्प होंगे। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और पंड्या तीन तेज गेंदबाज भी होंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान),संजू सैमसन (विकेट कीपर),तिलक वर्मा, शिवम दुबे/अर्शदीप सिंह,हार्दिक पंड्या,अक्षर पटेल,कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती।

सत्विक-चिराग हॉन्ग कॉन्ग ओपन के फाइनल में

चाइनीज ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराया,लक्ष्य सेन भी सिंगल्स के सेमीफाइनल में...

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2025। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हॉन्ग कॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के मेन्स डबल्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में चाइनीज ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई की जोड़ी को हराया। पहले गेम में सत्विक-चिराग ने चाइनीज ताइपे की जोड़ी को 21-17 से और दूसरे गेम में 21-15 से मात दी। सात्विक-चिराग की यह इस सीजन का पहला फाइनल है। इससे पहले उन्हें 6 सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीन के लियांग वेई कांग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फांग-चिह ली और फांग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।।

क्वार्टर फाइनल में मलेशियाई जोड़ी को हराया था : भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप को तीन गेम वाले मुकाबले में हराया था। पहले गेम में उन्होंने मलेशियाई जोड़ी को 21-14 से आसानी से हरा दिया।

लेकिन दूसरे गेम में वे थोड़े चूक गए और 20-22 से हार गए,जिससे स्कोर 1-1 हो गया। फिर तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। वे 21-16 से जीतकर टूर्नामेंट सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मैच एक घंटे से ज्यादा समय तक चला। लक्ष्य सेन ने अपने ही साथी खिलाड़ी आयुष शेट्टी को कड़े मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया के नंबर-20 खिलाड़ी लक्ष्य ने रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज आयुष शेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से 1 घंटे 6 मिनट में मात दी। मैच की शुरुआत पहले गेम से ही रोमांचक रही। लक्ष्य ने इंटरवल पर 11-10 की बढ़त ली और उसके बाद अपनी रफ्तार बढ़ा दी। उन्होंने नेट पर शानदार कंट्रोल दिखाया और आयुष को कोई मौका नहीं दिया, जिससे पहला गेम 21-16 से जीत लिया। आयुष शेट्टी ने दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी की। वे 15-11 से पीछे चल रहे थे, लेकिन अगले 12 में से 10 पॉइंट्स जीतकर स्कोर 21-17 कर मैच को तीसरे गेम तक ले गए।

रायपुर में न्यूड पार्टी:पोस्टर वायरल होने से मचा हड़कंप,कांग्रेस ने कहा बेशर्मी प्रदर्शन

रायपुर,13 सितम्बर 2025। रायपुर में ड्रग्स सिंडिकेट मामले के बाद अब न्यूड पार्टी को लेकर विवाद हो रहा है। दरअसल सोशल मीडिया पर न्यूड पार्टी के आयोजन का अलग-अलग नामों से पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें लड़के-लड़कियों को बिना कपड़े शामिल होने को कहा गया है, अब इसे लेकर बवाल मच गया है। वायरल पोस्टर में इस पार्टी को अलग-अलग नाम दिया गया है। दावा किया गया है कि आयोजन में पूल पार्टी होगी, ड्रग्स परोसे जाएंगे। कांग्रेस नेता ने इसका खुलकर विरोध किया है। कन्हैया अग्रवाल ने साफ कहा है कि इस तरह का आयोजन वे रायपुर में नहीं होने देंगे। वे इसका खुलकर विरोध करेंगे। इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर बीते कुछ दिनों से कथित न्यूड पार्टी,स्ट्रेंजर पार्टी, हाउस पूल पार्टी जैसे आयोजनों के इन्विटेशन वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन पोस्टर्स के जरिए युवाओं को पार्टी के नाम पर आकर्षित किया जा रहा है। इन विज्ञापननुमा पोस्टर्स में पार्टी का समय और तारीख भी दर्ज है, जिसमें 21 सितंबर को रायपुर में आयोजन होने का दावा किया गया है। वायरल पोस्टर्स में शराब और ड्रग्स परोसे जाने के संकेत मिलने के बाद अब नग्नता के आकर्षण का लालच दिए जाने की बात सामने आ रही है। वहीं इस पूरे मामले पर प्रशासन और पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल इस पोस्ट ने लोगों के बीच चर्चा तेज कर दी है।

कांग्रेस ने किया विरोध,कहा...आयोजन होने नहीं देंगे...

कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने इन आयोजनों का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा-इन आयोजनों को किसका संरक्षण है...? शराब,ड्रग्स परोसने के बाद अब नग्नता परोसने की बारी...21 सितम्बर का ये आयोजन रायपुर में नहीं होने देंगे। अपने शहर को दागदार नहीं होने देंगे। अग्रवाल ने आगे कहा कि वह आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर से मुलाकात करेंगे और इस पूरे मामले पर सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह के विज्ञापन के पीछे कौन लोग हैं और कौन उनका संरक्षण कर रहा है, इसकी जांच की जानी चाहिए।

एसएसपी दफ्तर पहुंचे थे न्यूड पार्टी के आयोजक,दो पुलिस हिरासत में

रायपुर,13 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सोशल मीडिया पर वायरल हुए विवादित न्यूड पार्टी पोस्टर ने पूरे शहर में हड़कंप मचा दिया है। इस पोस्टर में पार्टी में लड़के-लड़कियों को शराब लेकर आने और अश्लील गतिविधियों में शामिल होने का खुला आमंत्रण दिया गया था। अब इस मामले में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक, इस मामले से जुड़े दो युवक आज अपनी सफाई देने रायपुर एसएसपी कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया है। फिलहाल दोनों से क्राइम ब्रांच ऑफिस में गहन पूछताछ की जा रही है। बता दें कि मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर @sinful_writerv नामक अकाउंट से न्यूड पार्टी का आपत्तिजनक विज्ञापन जारी किया गया है। इन पोस्टरों में पार्टी का प्रचार अलग-अलग नामों से किया गया है। इनमें 'न्यूड पार्टी' और 'स्ट्रेंजर हाउस पार्टी' शामिल हैं। स्ट्रेंजर हाउस पार्टी की तारीख 21 सितंबर बताई गई है और उसमें प्रतिभागियों से खुद की शराब लाने के लिए कहा गया है। हालांकि, पार्टी का स्थान और आयोजकों के नाम अब तक सामने नहीं आए हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग में निकाली गई भर्ती को हाईकोर्ट ने किया रद्द

बिलासपुर,13 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों में अब सीधी भर्ती नहीं हो सकेगी। हाईकोर्ट ने चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 10 दिसंबर 2021 को जारी की गई अधिसूचना को रद्द कर दिया है। इसमें प्रोफेसर के खाली पदों को सीधी भर्ती से भरने के लिए एक बार की छूट दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि 2013 के नियमों के अनुसार प्रोफेसर के पद केवल पदोन्नति से ही भरे जाएंगे। एसोसिएट प्रोफेसर्स की याचिकाओं पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया। दरअसल, राज्य सरकार ने 10 दिसंबर 2021 को एक अधिसूचना जारी कर एकमुश्त (वन टाइम) छूट देते हुए प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती का रास्ता खोला था। इसका विरोध करते हुए राज्य भर के दर्जनों एसोसिएट प्रोफेसरों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं लगाई थी। उनका तर्क था कि 2013 की भर्ती नियमावली में स्पष्ट प्रावधान है कि प्रोफेसर पद पर भर्ती केवल प्रमोशन से होगी।

मोस्ट वांटेड महिला नक्सली ने किया सरेंडर

दंतेवाड़ा,13 सितम्बर 2025। बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि तेलंगाना में एक और मोस्ट वांटेड महिला नक्सली ने पुलिस के सामें आत्मसमर्पण किया है। सरेंडर करने वाली नक्सली का नाम सुजाथा है जबकि माओवादी पार्टी में उसे सुजाथक्का उर्फ पोथुला कल्पना उर्फ पद्मा उर्फ झांसी बाई के नाम से भी जाना जाता है। सुजाथा माओवादियों के सेन्ट्रल कमेटी की सदस्य बताई जा रही है जिस पर पुलिस ने एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। सुजाथा दशकों पहले पश्चिम बंगाल में मारे गये शीर्ष नक्सली किशन जी की पत्नी बताई जा रही है। ऐसे में सुजाथा के आत्मसमर्पण को पुलिस और सरकार के लिए बड़ी कामयाबी जबकि नक्सल संगठन के लिए झटके के तौर पर देखा जा रहा है। सुजाथा के आत्मसमर्पण के खबर की पुष्टि तेलंगाना पुलिस के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य के उप मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी की है। गृहमंत्री ने नक्सल मामलों पर चर्चा करते हुए बताया कि, अब तक मुठभेड़, गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण से करीब 4 हजार नक्सली कम हो चुके है जबकि आने वाले 6 महीनों के भीतर इतने ही और नक्सली कम हो जायेंगे। उन्होंने फिर दोहराया कि बचे हुए नक्सली या तो सरेंडर कर दें या फिर गिरफ्तार होंगे। सुरक्षाबल लगातार उनपर प्रहार कर रहे है।

बिलासपुर में मवेशी तस्करों का ओडिशा कनेक्शन:मवेशियों को बूचड़खाना ले जाने गाड़ी उपलब्ध कराता था,2 ट्रक,एक पिकअप जब्त

बिलासपुर,13 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मवेशी तस्करी करने वाले रायपुर के वाहन मालिक को पुलिस ने ओडिसा से गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा में छिपकर मवेशी तस्करी के लिए गाड़ी उपलब्ध कराता था और तस्करों की मदद करता था। पुलिस ने मवेशी तस्करी करने वालों के खिलाफ दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, 2 दिन पहले पुलिस ने खूंटाघाट के पास नाकेबंदी कर 17 मवेशियों से भरे ट्रक को पकड़ा था। इसके साथ ही पुलिस ने मवेशी तस्करी करने वाले कुरैशी गैंग के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के बाद से पुलिस मवेशी तस्करों पर एंड टू एंड कार्रवाई करने का दावा किया था। वहीं, मवेशी तस्करी में शामिल फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी।

ओडिशा में छिपकर काम कर रहा था रायपुर का तस्कर

पुलिस ने 2 दिन के अंदर रायपुर के हसदा अभनपुर के रहने वाले तस्कर गुरुवेंद्र नागरची (29) को पकड़ा है। वह ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में छिपा हुआ था और वहीं से तस्करी का काम करता था। साथियों को तस्करी के लिए गाड़ी उपलब्ध कराने के साथ ही पकड़े जाने पर उनकी मदद भी करता था। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर तस्करी में उपयोग किए जाने वाले दो ट्रक और एक पिकअप ओडिशा के अलग-अलग इलाकों से जब्त किए हैं।

प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का सपना करेंगे पूरा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,13 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि, प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ हम विकसित छत्तीसगढ़ का सपना साकार करेंगे। पिछले 20 महीनों में प्रदेश की स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करते हुए दुर्गम अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। दरअसल, रायपुर के एक निजी होटल में तीन दिवसीय डेंटल कॉन्फ्रेंस 2025 का शुभारंभ किया गया, जहां सीएम ने यह बातें कही। मुख्यमंत्री ने दंत चिकित्सा और दांतों की देखभाल से जुड़े उपयोगी उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। डेंटल एसोसिएशन की वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी किया। सीएम साय ने कहा कि सरकार बनने के पहले दिन से ही हमने प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति दी गई है, साथ ही फिजियोथैरेपी, नर्सिंग और मदर-चाइल्ड हॉस्पिटल जैसे संस्थानों की स्थापना की जा रही है।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ के साथ ही हम प्रगति की भी बात कर रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित और दूरस्थ अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। बस्तर में 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। यह हमारे प्रयासों का प्रमाण है कि सुकमा जिले के चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र को एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है।

पहले एक था,अब 15 मेडिकल कॉलेज

सीएम साय ने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। साल 2000 में जहां केवल एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं आज 15 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री वय वंदना योजना से मरीजों और बुजुर्गों को निशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। वहीं,सस्ती जेनेरिक दवाइयां आम जनता को राहत प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पान मसाला, गुटखा और तंबाकू की वजह से मुंह के कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि, दांतों की देखभाल और सुंदर मुस्कान देने में दंत चिकित्सकों की अहम भूमिका है। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि इस दिशा में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं।

अपने संसदीय कार्यकाल की साझा की स्मृतियां

उन्होंने भावुक होकर अपने संसदीय कार्यकाल की स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि 1999 में जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, उस समय एम्स दिल्ली पर पूरे देश के मरीजों का दबाव था। तब हमने संसद में निवेदन किया था कि छत्तीसगढ़ में भी एम्स की स्थापना हो। सौभाग्य से 1 नवम्बर 2000 को राज्य गठन के बाद पहली किस्त में छह राज्यों को एम्स की सौगात मिली और छत्तीसगढ़ को भी यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार ने 'छत्तीसगढ़ विजन 2047' डॉक्यूमेंट तैयार किया और 10 मिशन बनाकर प्रदेश को आगे बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का बड़ा बयान

शराब पीकर ड्यूटी करने वाले टीचर निकाले जाएंगे नौकरी से

रायपुर,13 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की साय सरकार शराब पीकर स्कूल जाने वाले शिक्षकों पर कड़ाई करने जा रही है। प्रदेश के अलग-अलग स्कूलों में पदस्थ शराबी शिक्षकों को बर्खास्त किया जाएगा। इतना ही नहीं उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि एक ओर सरकार शिक्षकों के वेतन और सुविधाओं में बढ़ोतरी कर रही है। वहीं दूसरी ओर शिक्षकों में अनुशासन बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेशभर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ शिक्षक शराब के नशे में स्कूल पहुंचते हैं और पढ़ाई के बजाए मटरगस्ती करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया शराबी और मटरगस्ती करने वाले शिक्षक बर्दाश्त नहीं होंगे। ऐसे शिक्षकों पर FIR दर्ज कराई जाएगी और जांच के बाद उन्हें बर्खास्त भी किया जाएगा। बता दें कि प्रदेश के अलग-अलग जिलो से यह खबरें लगातार आ रही थी कि शिक्षक शराब के नशे में स्कूल पहुंच रहे हैं। ऐसे में बच्चों में बच्चों में गलत असर के साथ उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। सरकार ने उन पर कड़ाई करने का फैसला लिया है।

हॉस्पिटल की लापरवाही से मरीज की मौत,उपभोक्ता आयोग ने 16 लाख रुपये मुआवजा देने का दिया आदेश

रायपुर,13 सितम्बर 2025। राजधानी के गुढ़ियारी रोड कोटा स्थित सुयश हॉस्पिटल को चिकित्सकीय लापरवाही के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग ने 15 लाख रुपये मुआवजा,6% वार्षिक ब्याज सहित, 1 लाख रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति और 10,000 रुपये वाद व्यय के रूप में भुगतान करने का आदेश दिया है।

यह निर्णय परिवादिनी हिना सोनी द्वारा अपने पति हिमांशु सोनी की मृत्यु के मामले में दायर परिवाद के बाद आया, जिसमें अस्पताल पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया गया था।

क्या है मामला : हिमांशु सोनी, जो 2008 में एक वाहन दुर्घटना में घायल होने के बाद पैरों में शून्यता और पेशाब नली की समस्या से पीड़ित थे। उन्हें 18 दिसंबर 2010 से 24 दिसंबर 2010 तक सुयश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां उनकी पेशाब नली का लेजर ऑपरेशन किया गया और 24 दिसंबर 2010 को उन्हें ठीक बताकर डिस्चार्ज कर दिया गया। हालांकि, 26 दिसंबर 2010 को हिमांशु को असहनीय दर्द होने पर फिर से अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें इंजेक्शन लगाया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनकी मृत्यु हो गई। हिना सोनी ने जिला उपभोक्ता आयोग रायपुर में परिवाद दायर कर सुयश हॉस्पिटल पर चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल के चिकित्सकों की लापरवाही के कारण उनके पति की मृत्यु हुई। सुयश हॉस्पिटल ने अपने बचाव में कहा कि हिमांशु को 26 दिसंबर 2010 को मृत अवस्था में लाया गया था और उन्हें कोई इंजेक्शन नहीं दिया गया। हालांकि, जिला उपभोक्ता आयोग में चिकित्सकों ने प्रतिपरीक्षण के दौरान स्वीकार किया कि मृत मरीज को पुनर्जनन के प्रयास में इंजेक्शन दिया गया था। यह विरोधाभासी बयान अस्पताल की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। जिला उपभोक्ता आयोग रायपुर ने पाया कि अस्पताल के चिकित्सकों ने विरोधाभासी बयान दिए और न तो सीसीटीवी फुटेज और न ही विजिटर रजिस्टर जैसे साक्ष्य प्रस्तुत किए। इसके अलावा, हिमांशु के पिता अरविंद भाई सोनी को चिकित्सकीय दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए,जिसके कारण विशेषज्ञ राय नहीं ली जा सकी। इन तथ्यों के आधार पर आयोग ने अस्पताल की चिकित्सकीय लापरवाही को प्रमाणित माना और परिवादिनी के पक्ष में फैसला सुनाया।

समस्याओं की पहचान कर समाधान विकसित करें जिससे लोग लाभान्वित हो : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर,13 सितम्बर 2025। रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के विद्यारंभ समारोह में शामिल हुए राज्यपाल रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के विद्यारंभ समारोह में शामिल हुए राज्यपाल रमेन डेका आज रूंगटा इंटरनेशलन स्कील्स यूनिवर्सिटी भिलाई में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के विद्यारंभ समारोह में शामिल हुए। इस दौरान राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी के ड्रोन क्लब का उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि रूंगटा अंतर्राष्ट्रीय कौशल विश्वविद्यालय में प्रतिभाशाली लोगों को संबोधित करने में अपार प्रसन्नता हो रही है, जो हमारे छत्तीसगढ़ राज्य और हमारे राष्ट्र के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब आप यहाँ से स्नातक होंगे, तो आपके पास केवल एक डिग्री ही नहीं होगी, बल्कि आपके पास वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य को परिभाषित करने वाली कंपनियों के प्रमाणपत्र भी होंगे। आपका रिज्यूमे एक ऐसी भाषा बोलेगा जिसे दुनिया भर के नियोक्ता समझते और सम्मान करते हैं। रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के विद्यारंभ समारोह में शामिल हुए राज्यपाल डेका ने विद्यार्थियों से कहा कि आज नियोक्ता ऐसे पेशेवरों की तलाश में हैं जो गंभीरता से सोच सकें, टीमों में काम कर सकें,प्रभावी ढंग से संवाद कर सकें और बदलाव के साथ तालमेल बिठा सकें। ये क्लब पाठ्येतर गतिविधियाँ नहीं हैं; ये आपके पेशेवर विकास का अभिन्न अंग हैं। 2,000 युवा दिमागों के एक ही छत के नीचे इकट्ठा होने से, आप बदलाव की एक शक्तिशाली ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ड्रोन केवल उड़ने वाले उपकरण नहीं हैं वे कृषि, आपदा प्रबंधन,स्वास्थ्य सेवा वितरण और पर्यावरण निगरानी में क्रांति ला सकते हैं : डेका

राज्यपाल ने कहा आप सभी रोज़गार की तलाश से आगे सोचे, रोज़गार सृजन के बारे में सोचें। समाज में समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने के बारे में सोचें जिनसे लाखों लोगों को लाभ हो सके। यहाँ की सहायता प्रणाली-मार्गदर्शन से लेकर वित्तपोषण तक-आपके सपनों को हकीकत में बदलने के लिए डिज़ाइन की गई है। राज्यपाल ने कहा कि यहाँ की ड्रोन प्रयोगशाला इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे तकनीक का उपयोग सामाजिक लाभ के लिए किया जा सकता है। ड्रोन केवल उड़ने वाले उपकरण नहीं हैं; वे ऐसे उपकरण हैं जो कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा वितरण और पर्यावरण निगरानी में क्रांति ला सकते हैं। जब आप इस प्रयोगशाला में प्रयोग और नवाचार करते हैं, तो याद रखें कि प्रत्येक परियोजना में जीवन को प्रभावित करने और समुदायों को बदलने की क्षमता है।

पुलिस विभाग में गाड़ी लगवाने 40 लाख की ठगी

ट्रेवल्स कंपनी के जरिए किराए में वाहन लगाने का झांसा

बिलासपुर,13 सितम्बर 2025। बिलासपुर में ट्रेवल्स कंपनी के जरिए पुलिस विभाग में किराए पर गाड़ियां लगवाने के नाम पर 40 लाख रुपए की ठगी की गई है। ट्रेवल्स कंपनी के पार्टनर और केयर टेकर करीब दर्जन भर लोगों को झांसा देकर रुपए वसूल लिए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। दरअसल, कोनी के बिरकोना निवासी कन्हैया लाल धीवर चिकन व्यवसायी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी पहचान पल्लवी ट्रेवल्स और राधा रानी ट्रेवल्स के पार्टनर और सह मैनेजर किशोर शर्मा से हुई। दो साल पहले जब जान-पहचान बढ़ी तो उसने बताया कि राधा रानी ट्रेवल्स के केयर टेकर रूपेंद्र शुक्ला गाड़ियों को पुलिस विभाग में किराए पर लगाता है, जिससे अच्छी आय हो जाती है। किशोर ने उनकी मुलाकात रूपेंद्र शुक्ला और उनकी पत्नी श्रद्धा शुक्ला से कराई। इस दौरान उन्होंने मिलकर पुलिस विभाग में गाड़ियां लगाने की बात बताई।

किराए से अच्छी आमदनी होने का दिया झांसा

उन्होंने समझाया कि बोलेरो पर 70 हजार, स्कॉर्पियो पर 60 से 90 हजार और इनोवा लगाने पर एक लाख रुपए तक मासिक किराया मिलेगा। साथ ही कहा कि पुलिस लाइन में गाड़ी चलाने के लिए डिपॉजिट जमा करना होगा, जो एक महीने के किराए के बराबर होगा। गाड़ियों के किराए का भुगतान दो महीने बाद किया जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)